संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 113
पृष्ठ 8
शुक्रवार
10 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आने वाली है साल....

विचार- देश-हित में उत्तरदायित्व.....

खेल- स्मृति मंधाना की ....

## हमारा भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है : मोदी

भुवनेश्वर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि हमारी विरासत हमें सिखाती है कि भविष्य युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में है। साथ ही उन्होंने प्रवासी भारतीयों को भारत का सच्चा राष्ट्रदूत बताते हुए कहा कि वे जिस भी देश में जाते हैं, वहां भारतीय संस्कृति और मूल्यों को जीवंत बनाए रखते हैं। श्री मोदी ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में जनता मैदान में आयोजित '18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन' का भव्य उद्घाटन करते हुए यह बात कही। दुनियाभर से आए प्रवासी भारतीय इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। भारत की प्रगति, संस्कृति और विकास यात्रा से जुड़ने का अवसर ओडिशा ने प्राप्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में ओडिशा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को भारत की समृद्ध परंपरा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा,"ओडिशा की भूमि पर हर कदम पर हमें हमारी गौरवशाली विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले यहां के व्यापारी लंबी समुद्री यात्राएं कर बाली, सुमात्रा और जावा तक जाते थे। आज भी ओडिशा में बाली यात्रा का आयोजन किया जाता है, जो इस ऐतिहासिक संबंध का प्रमाण है।" श्री मोदी ने सम्राट अशोक और बौद्ध धर्म का उल्लेख करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया तलवार के दम पर साम्राज्य बढ़ाने में लगी थी, तब भारत ने शांति और अहिंसा का संदेश दिया। उन्होंने कहा,"हमारी विरासत हमें सिखाती है कि भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है।" प्रवासी भारतीयों की भारत के सच्चा सांस्कृतिक दूत बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों को भारत का सच्चा राष्ट्रदूत बताते हुए कहा कि वे जिस भी देश में जाते हैं, वहां भारतीय संस्कृति और मूल्यों को जीवंत बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा,"हम सिर्फ लोकतंत्र की जननी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। विविधता हमारे संस्कारों में है, और यह हमें सिखानी नहीं पड़ती, बल्कि हमारे जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है।" उन्होंने प्रवासी भारतीयों से 'मेक इन इंडिया' अभियान को अपनाने और भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हर प्रवासी भारतीय कम से कम एक भारतीय उत्पाद को अपने जीवन और उपहार संस्कृति का हिस्सा बनाए। भारत की वैश्विक सफलता पर गर्व करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति पर भी गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा,"जब भारत का चंद्रयान शशिवशक्ति प्वाइंटश पर पहुंचता है, तो हमें गर्व होता है। जब दुनिया डिजिटल इंडिया की ताकत देखकर हैरान होती है, तो हम सब को गर्व होता है। भारत का हर क्षेत्र आज नई ऊंचाइयों को छू रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठा रहा है और वैश्विक मंचों पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन 'प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से यात्रा शुरू करेगी और तीन सप्ताह तक देशभर के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों की यात्रा कराएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन ओडिशा' पहल के तहत फाइटर जेट और विमान निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने इसे भारत की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी रक्षा निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। श्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर प्रवासी भारतीय अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाए और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे। प्रधानमंत्री ने गिरमिटिया जातियों के इतिहास और योगदान पर शोध की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों से अपील की कि वे गिरमिटिया भारतीयों के अध्ययन के लिए विशेष चेयर स्थापित करें ताकि उनके संघर्ष और उपलब्धियों का सही दस्तावेजीकरण हो सके। इसके अलावा, ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी में संत तिरूवल्लुवर पर एक चेयर स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा गया । इस अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के माध्यम से प्रवासी भारतीय अपने देश की प्रगति और विकास को नजदीक से अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा,"वैश्विक युग में प्रवासी भारतीयों की भूमिका और महत्व हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। वे विदेशों में भी भारत की संस्कृति और मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।" ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि इस बार प्रवासी भारतीय दिवस की थीम 'विकसित भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का योगदान' है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों को ओडिशा में निवेश और विकास कार्यों से जुड़ने का निमंत्रण भी दिया।

## हिंदू धार्मिक स्थलों पर मस्जिदों का निर्माण 'घाव' : योगी आदित्यनाथ

**● सीएम योगी बोले- सर्जरी एक बार होगी और उसके लिए हमें तैयार रहना होगा**

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में शाही जामा मस्जिद विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने अदालत के आदेश वाले सर्वेक्षण का जोरदार बचाव किया, ताकि दावों का पता लगाया जा सके कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने मस्जिद निर्माण के लिए हिंदू धार्मिक स्थलों पर कब्जे को एक घाव बताया और दावा किया कि इसकी सर्जरी की आवश्यकता है नहीं तो यह कैंसर में बदल सकती है। नवंबर में 16वीं सदी की मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण संभल में हिंसक झड़पें हुईं। पाँच लोग मारे गए और लगभग 20 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। योगी ने कहा कि मैं किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हूं और उस जगह का सम्मान करता हूं जहां लंबे समय से प्रार्थनाएं होती रही हैं।श लेकिन अगर किसी समुदाय का प्रार्थना स्थल टूट जाता है तो इसकी कड़ी आलोचना की जानी चाहिए। देखिए कैसे संभल का इस्लामीकरण कर दिया गया है। हमारे धर्म के सभी चिन्हों को नष्ट कर दिया गया है, ढक दिया गया है और ठोस बना दिया गया है। 2017 से पहले वहां लगातार दंगे हुए। योगी ने साफ तौर पर कहा कि सर्जरी एक बार होगी और उस सर्जरी के लिए हमें तैयार रहना होगा। सनातन धर्म के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए इसे दुनिया का सबसे पुराना विश्वास होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि हजारों साल पहले लिखे गए हिंदू साहित्य में विष्णु के दसवें अवतार कल्कि के भविष्य के अवतार का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऋषि सदैव ज्ञान की उस धारा का प्रतिनिधित्व करता रहा है, जिसने समय-समय पर देश को नेतृत्व दिया, नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सनातन' तो हमेशा शिखर पर ही रहा है, इसलिए सनातन है... हिंदू एकता और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह 'वक्फ बोर्ड' है या भू-माफियाओं का बोर्ड है। एक-एक इंच लैंड वापस लेंगे।

## आतिशी ने भाजपा को बताया गाली-गलौज पार्टी, बोलीं- उनके पास दिल्ली के लिए कोई एजेंडा और चेहरा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सीएम आतिशी ने आज गोविंदपुरी इलाके में आप चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस 'गाली-गलौज' पार्टी के पास दिल्ली के लिए कोई एजेंडा, नैरेटिव या सीएम चेहरा नहीं है। इनका एक ही काम है- अरविंद केजरीवाल को गालियां देना। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोगों के लिए निर्णय लेना बहुत आसान होगा। इससे पहले उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि कड़कड़ाती हुई ठंड में, भाजपा की केंद्र सरकार ने, नरेला में झुग्गियाँ तोड़ दीं। महिलाएँ और बच्चे सड़क पर आ गए हैं। भाजपा वाले झुग्गीवासियों से इतनी नफ़रत क्यों करते हैं? आतिशी ने कहा कि थोड़ी देर में नरेला जा रही हूँ। इन झुग्गीवासियों से मिलूँगी। इनकी हर संभव मदद करेंगे। इससे पहले आतिशी ने मुख्यनिर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को पत्र लिखकर नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर पर चर्चा के लिए मिलने का समय मांगा है। इस सीट से 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। यह आतिशी का पिछले तीन दिनों में इस मुद्दे पर सीईसी को लिखा गया दूसरा पत्र है। पांच जनवरी को भी आतिशी ने इन कथित अनियमितताओं पर चर्चा के लिए एक मुलाकात का अनुरोध किया था।

## प्रवेश वर्मा के चुनाव लड़ने पर लगे रोक, खुलेआम बांट रहे पैसे

**सीईसी से मुलाकात के बाद बोले केजरीवाल**

नई दिल्ली, एजेंसी। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी सीईसी राजीव कुमार से मुलाकात की। इसके बाद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में 15 दिसंबर से 7 जनवरी तक 22 दिनों में वोट रद्द कराने के लिए 5500 आवेदन आए हैं। उन्होंने दावा किया कि ये एप्लीकेशन फर्जी हैं। जब अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया और जिन लोगों के नाम पर वोट रद्द करने के लिए आवेदन दिये गये थे, उन्हें बुलाया गया तो उन्होंने बताया कि उनके नाम पर फर्जी आवेदन दिये गये हैं। केजरीवाल ने कहा कि बड़ा घोटाला चल रहा है। पिछले पंद्रह दिन में नए वोट के लिए 13 हजार आवेदन आए हैं। दूसरे राज्यों से लोगों को लाकर फर्जी वोट बनाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा जॉब कैंप लगा रहे हैं, खुलेआम पैसे बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये चीजें चुनाव आयोग के नियमों और विनियमों के तहत भ्रष्ट आचरण के अंतर्गत आती हैं। प्रवेश वर्मा को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए और उनके घर पर छापा मारकर पता लगाया जाना चाहिए कि उनके घर पर कितना पैसा है।

## सुकमा-बीजापुर सीमा पर मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर जिलों की सीमा से लगे कोर माओवादी क्षेत्र में गुरुवार की सुबह सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ के दौरान तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण ने तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ के बारे में आगे की जानकारी ऑपरेशन पूरा होने के बाद अलग से जारी की जाएगी। सुकमा डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) की संयुक्त टीम द्वारा बुधवार को शुरू किया गया यह ऑपरेशन, क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया था। पूरे दिन छिटपुट गोलीबारी की खबरें मिलती रहीं। इसबीच बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी ने कहा कि माओवादियों के कोर जोन में यह मुठभेड़ हो रही है। सुकमा डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त पुलिस पार्टी माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुई थी।

# बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे हैं ओवरलोड हाईवा

प्रयागराज–बांदा हाईवे पर क्षेत्र के बारा, घूरपुर और शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में ओवरलोड हाईवा (ट्रक) दौड़ रहे हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन अनजान हैं। पुलिस सर्किल क्षेत्र बारा में गिट्टी, बालू और फ्लाई ऐश का धंधा जोरों पर चल रहा है। इस समय सबसे महत्वपूर्ण धंधा फ्लाई ऐश का हो गया है। जसरा बाईपास के नाम पर फ्लाई ऐश का अवैध कारोबार शंकरगढ़, बारा और घूरपुर क्षेत्र में चल रहा है। इस कारोबार में लगे हाईवा बिना नंबर प्लेट के है। यहां तक कि हाईवा चालकों और मालिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान तक का पता नहीं है और नंबर प्लेट की जगह तिरंगा चिपका लिया गया है। इसी तरह के ट्रक अन्य अवैध कारोबार में संलिप्त हैं। इटावा में गोवंश लदा एक ट्रक पकड़ा गया है। उसके स्वामी और चालक का पता बारा थाना क्षेत्र के नीबीध्लोहगरा दर्ज है। गुरुवार को इटावा पुलिस उस नाम के व्यक्ति को नीबीध्लोहगरा में खोज रही थी। हताश प्रधान नीबीध्लोहगरा से प्रमाण पत्र लिया कि इस नाम का आदमी यहां नहीं रहता है। इससे स्पष्ट है कि इसी तरह के वाहन ही अवैध कारोबार में भी लिप्त है। इस संबंध में इंस्पेक्टर बारा राकेश सचान ने बताया कि तिरंगा चिपका कर चलना अवैध है। अभी तक जानकारी नहीं है। इसकी जांच कराई जाएगी और विधिक कार्रवाई होगी।

## हेमा मालिनी ने किया कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का शिलान्यास

मथुरा। गांव दघेटा में गुरुवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं राजकीय इंटर कॉलेज का शिलान्यास मुख्य अतिथि सांसद हेमा मालिनी एवं क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा अतिथियों का भव्य स्वागत किया

गया। सांसद हेमा मालिनी ने बेटियों की शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में बच्चों को शिक्षित करने की आवश्यकता है,सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को शिक्षा का एक उचित साधन उपलब्ध होगा। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत 7 करोड़ रुपए की दो परियोजनाओं की यह सौगात बालिका शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। परियोजनाएं अप्रैल तक पूर्ण हो जाएंगी। इस अवसर पर महावन उपजिलाधिकारी आदेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र सिंह,बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, डॉक्टर अखिलेश यादव,जनार्दन शर्मा, सतपाल चौधरी, कन्हैया लाल, कृपांशु,मोहित अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल,अवधेश कुमार,बृजेश अग्निहोत्री,जनार्दन राजभर,डॉक्टर मुरारीलाल अग्रवाल छात्र – छात्राएं आदि मौजूद रहे।

## चार पर एससीएसटी का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। मारपीट व गालीगलौज तथा दलित उत्पीड़न को लेकर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के रामगढ़ रैला पड़किया गांव निवासी सोमेश सरोज पुत्र रामदुलारे सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर छः जनवरी को दोपहर करीब ढाई बजे गांव के पिंटू सिंह पुत्र राजू सिंह व रामू सिंह पुत्र ददन सिंह तथा दो अज्ञात लोगों ने जातिसूचक गाली देते हुए घर में घुसकर मारापीट किया। बीचबचाव मे पहुंची पीडित की भतीजी व उसकी मां को भी मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

## ज्ञानप्रकाश शुक्ल पत्रकार उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ के बनाए गए राष्ट्रीय प्रभारी

प्रतापगढ़। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा जिले के वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानप्रकाश शुक्ल को महासंघ के पत्रकार उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय प्रभारी चयनित किये जाने पर

साहित्यकारो एवं पत्रकारों में प्रसन्नता जतायी है। लेखन एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में जिले के लिए इस उपलब्धि की गुरूवार को यह जानकारी मिलने पर स्थानीय पत्रकारो ने बैठक के जरिए कहा कि ज्ञानप्रकाश शुक्ल के पत्रकार उत्पीडन निवारण प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी चयनित होने से पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर महासंघ के अभियान को कारगर संघर्ष को मजबूत दिशा मिल सकेगी। बैठक में वक्ताओ ने ज्ञानप्रकाश के चयन के लिए महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र व राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय के प्रति आभार भी जताया है। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी व संचालन लालगंज तहसील इकाई अध्यक्ष विकास मिश्र ने किया। वहीं जिले के वरिष्ठ साहित्यकारों ने भी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के चयन को लेखन एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि कहा है। इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अनुज नागेन्द्र, डॉ. बच्चाबाबू वर्मा, आचार्य अनीस देहाती, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल त्रिपाठी महेश, आदि रहे।

## 'डॉ0 अशोक मिश्र को चिकित्सा प्रकोष्ठ, डश्व रामलखन चौरसिया वागीश को साहित्य प्रकोष्ठ, ज्ञान प्रकाश शुक्ल को पत्रकार उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय प्रभारी बनाया गया'

### भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की विभिन्न इकाइयों और प्रकोष्ठ प्रभारियों के दायित्व वितरण की प्रक्रिया तेज

प्रयागराज । भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र एवं मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया की संस्तुति से डॉ अशोक मिश्र ( सुलतानपुर) को महासंघ के चिकित्सा प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय प्रभारी बनाया गया है और डॉ राम लखन चौरसिया वागीश ( प्रयागराज) को साहित्य प्रकोष्ठ एवं प्रतापगढ़ के वरिष्ठ कर्मठ पत्रकार ज्ञान प्रकाश शुक्ल को पत्रकार उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय प्रभारी बनाया गया है द्य सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी का दायित्व रवींद्र कुशवाहा को दिया गया है ।

विधि प्रकोष्ठ
सामाजिक प्रकोष्ठ प्रभारी
सदस्यता विस्तार प्रकोष्ठ
बीमा प्रकोष्ठ
देश दर्शन प्रकोष्ठ
महिला प्रकोष्ठ
युवा प्रकोष्ठ

सहित अन्य सभी प्रकोष्ठ प्रभारी अगले सप्ताह घोषित कर दिए जाएंगे ।

## सोरांव में स्थापित किया गया महाकुम्भ स्पेशल चेक पोस्ट

गंगापार। महाकुम्भ को लेकर परिवहन विभाग ने शिवगढ़ चेक पोस्ट के नाम से मेवालाल इंटर कॉलेज के समीप चेक पोस्ट स्थापित किया गया। सोरांव के इस चेक पोस्ट पर 24 घंटे कर्मचारी तैनात रहेंगे। प्रयागराज आने वाली व प्रयागराज से जाने वाली प्रत्येक बस पर सवार लोगों की सूचना हर दो घंटे में कंट्रोल रूम को अपडेट करेंगें। महाकुम्भ स्पेशल चेकपोस्ट एक जनवरी से प्रारंभ होकर 29 फरवरी तक चलेगी। प्रयागराज जनपद को जोड़ने वाली सड़कों को मिला देखें तो सोरांव के शिवगढ़ समेत प्रयागराज में कुल आठ महाकुम्भ स्पेशल चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। महाकुम्भ मेला में लगाई गई राज्य परिवहन निगम की बसें के साथ उसमें सवार यात्रियों की पूरी जानकारी चेक पोस्ट के माध्यम से कंट्रोल रूम के पास होगी। चेक पोस्ट पर तैनात विभाग के कर्मचारी हर दो घंटे पर कंट्रोल रूम को सूचना अपडेट कर रहे हैं। सोरांव के शिवगढ़ चेक पोस्ट पर तैनात परिवाहन कर्मी राधेश्याम ने बताया कि चेक पोस्ट शिवगढ़ के नाम पर स्थापित है। शिवगढ़ में जगह न मिलने के कारण सोरांव के मेवालाल इंटर कालेज के समीप हाईवे की दोनों पटरियों पर बनाया गया है। चेक पोस्ट 24 घंटे सक्रियता के साथ कार्य करेगा। चेक पोस्ट पर स्विफ्ट वॉइस कर्मचारी तैनात होंगे। प्रयागराज में प्रवेश करने वाली एवं बाहर निकलने वाली प्रत्येक बस एवं उसमें सवार यात्रियों का लेखा–जोखा चेक पोस्ट पर होगा। चेक पोस्ट हर दो घंटे पर प्रयागराज शहर में स्थापित कंट्रोल रूम को अपडेट कर रहे हैं।

## श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े लंबित मामले मथुरा से हाईकोर्ट किए जाएं स्थानांतरित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े लंबित मामलों को मथुरा से हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग में दाखिल याचिका पर विपक्षियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र ने विजय सिंह तेवा की स्थानांतरण याचिका पर दिया है। याची अधिवक्ता रीना एन सिंह व अधिवक्ता राणा सिंह ने दलील दी कि मथुरा की जिला अदालत में अभी भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि से संबंधित छह से अधिक मामले लंबित हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण मामला राधा रानी वृषभानु कुमारी वृंदावन की ओर से उनके भक्त अधिवक्ता रीना एन सिंह के माध्यम से मार्च 2024 में दाखिल किया गया था। यह मामला भी मथुरा अदालत में लंबित है। मथुरा की अदालत में मामलों की धीमी प्रगति और अनियमितताओं के कारण इन मामलों को हाईकोर्ट में स्थानांतरित करना न्यायहित में है। ऐसे में इनका शीघ्र निपटारा होना चाहिए। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया और उन्हें 15 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका की अगली सुनवाई 20 फरवरी 2025 को होगी।

## कैबिनेट मंत्री नंदी व पूर्व महापौर अभिलाषा पर दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी व पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं संग हुई मारपीट मामले में दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकल पीठ ने दिया है। मामला प्रयागराज के मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र का है। वर्ष 2014 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन सपा प्रत्याशी रेवती रमण सिंह ने मंत्री नंदी और उनकी पत्नी समेत उनके 14 समर्थकों के खिलाफ मारपीट और जानलेवा हमले की एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने मंत्री, उनकी पत्नी समेत 14 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इस पर मजिस्ट्रेट की अदालत ने वर्ष 2023 में संज्ञान लिया। इसके खिलाफ दोनों ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में उन्मोचन प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। इसे मजिस्ट्रेट की अदालत ने खारिज कर दिया। इसके बाद एमपीध्एमएलए की विशेष अदालत ने उनकी निगरानी याचिका भी निरस्त कर दी। मंत्री व पूर्व महापौर ने ट्रायल कोर्ट के दोनों आदेशों के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी।

## इस साल भर्तियों का भी लगेगा कुंभ, परीक्षा कैलेंडर का इंतजार

प्रयागराज। वर्ष 2025 में भर्ती परीक्षाओं का भी कुंभ लगेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) और उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग बड़े पैमाने पर भर्ती की तैयारी रहे हैं। दोनों आयोग नई भर्ती परीक्षाओं के लिए जल्द ही वर्ष 2025 का कैलेंडर जारी कर सकते हैं। यूपीपीएससी इस साल कई नई भर्तियों के विज्ञापन जारी करेगा और कुछ पुरानी भर्तियों की चयन प्रक्रिया पूरी करेगा। इस साल राज्य कृषि सेवा परीक्षा–2024 के तहत 268 पदों, सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा–2024 के तहत अवर अभियंता के 604 पदों, पीसीएस परीक्षा–2024 के तहत 220 पदों और आरओध एआरओ–2023 के तहत 411 पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी होनी है। वहीं, वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एलटी ग्रेड शिक्षक के तकरीबन आठ हजार पदों, प्रवक्ता के एक हजार पदों, असिस्टेंट प्रोफेसर के साढ़े तीन सौ पदों के अलावा पीसीएस परीक्षा–2025 समेत खंड शिक्षा अधिकारी व अन्य भर्तियों के विज्ञापन भी जारी करेगा। अभ्यर्थियों को अब उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से वर्ष 2025 का कैलेंडर जारी होने का इंतजार है। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग भी बड़े पैमाने पर भर्ती की तैयारी कर रहा है। बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा के निदेशकों की आयोग में हुई बैठक के दौरान रिक्त पदों का अधियाचन मांग लिया गया है। सभी विभागों ने रिक्त पदों का विवरण इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। आयोग ने 31 मार्च 2025 तक रिक्त हो चुके या होने वाले पदों की जानकारी मांगी है। इसके साथ ही अल्पसंख्यक महाविद्यालयों व अटल आवासीय विद्यालयों में भी शिक्षक भर्ती के लिए रिक्त पदों का ब्योरा मांगा गया है। आयोग महाकुंभ के बाद व्यापक पैमाने पर शिक्षक भर्ती शुरू करने की तैयारी कर रहा है। वहीं, अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों व टीजीटी–पीजीटी के 4163 पदों पर लंबित भर्ती की लिखित परीक्षा क्रमशरू फरवरी व अप्रैल में कराने की तैयारी की गई है। विभागों से अधियाचन मिलने के बाद शिक्षा सेवा चयन आयोग परीक्षा कैलेंडर जारी करेगा।



महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये उत्तर मध्य रेलवे द्वारा और अन्य क्षेत्रीय रेलवे के सहयोग से महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान निम्नलिखित रिंग रेल सेवा एवं मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

| विशेष गाड़ी सं. | स्टेशन से | प्रस्थान का समय | स्टेशन तक | आगमन का समय | संचालन की तिथि | मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) आरक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची | | | | | | |
| 01805 | वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी | 09:00 | प्रयागराज | 16:55 | 15, 22 जनवरी 2025, 05,12,19 एवं 26 फरवरी 2025 | ओरछा, बरुआ सागर, निवाड़ी, मऊरानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा, अतर्रा, चित्रकूट धाम कर्वी, मानिकपुर, इभौरा, शंकरगढ़, जसरा और नैनी |
| 01807 | प्रयागराज | 17:05 | वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी | 02:00 | 15, 22 जनवरी 2025, 05, 12, 19 एवं 26 फरवरी 2025 | मनौरी, भरवारी, सिराथू, खागा, फतेहपुर, बिन्दकी रोड, गोविन्दपुरी, भीमसेन, पुखरायां, कालपी, उरई, एट, मोठ एवं विरगाँव |
| 01806 | ग्वालियर | 20:10 | प्रयागराज | 06:40 | 16, 23 जनवरी 06, 13, 20 एवं 27 फरवरी 2025 | शनीचरा, मालनपुर, गोहद रोड, सोनी, भिंड, इटावा, भरथना, फफूंद, झींझक, रुरा, पनकी धाम, गोविन्दपुरी, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू एवं भरवारी |
| 01808 | प्रयागराज | 06:45 | ग्वालियर | 17:10 | 17, 24 जनवरी 07, 14, 21 एवं 28 फरवरी 2025 | नैनी, शंकरगढ़, इभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी, बरुआ सागर, ओरछा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, दतिया एवं डबरा |
| (2) अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची | | | | | | |
| 04111 | प्रयागराज | 06:00 | प्रयागराज | 18:50 | 10.01.2025 से 28.02.2025 तक (28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को छोड़कर) | प्रयागराज रामबाग, झूँसी, इंदिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मड़ियाहूँ, ज़फ़राबाद, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, गुशाईगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग |
| 04112 | प्रयागराज | 06:30 | प्रयागराज | 21:00 | | |
| 04113 | प्रयागराज | 17:30 | प्रयागराज | 07:45 | | |
| 04114 | प्रयागराज | 17:45 | प्रयागराज | 08:00 | | |
| (3) अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची | | | | | | |
| 01809 | वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी | 04:00 | प्रयागराज छिवकी | 14:45 | 12.01.2025 से 16.01.2025, 28.01.2025 से 05.02.2025, 11.02.2025 से 14.02.2025 एवं 25.02.2025 से 28.02.2025 | ओरछा, बरुआ सागर, निवाड़ी, मगरपुर, टेहरका, रानीपुर रोड, मऊरानीपुर, रोरा, हरपालपुर, घुटई, बेलाताल, कुलपहाड़, धरखारी रोड, महोबा, बरिपुरा, कबरई, मटौंध, खैरार, बाँदा, डिंगवाही, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, मानिकपुर, इभौरा, बरगढ़ एवं शंकरगढ़ |
| 01810 | प्रयागराज छिवकी | 16:00 | वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी | 05:00 | | |
| 01811 | वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी | 10:10 | प्रयागराज छिवकी | 22:50 | | |
| 01812 | प्रयागराज छिवकी | 23:20 | वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी | 13:10 | | |
| 01813 | बाँदा | 19:10 | कटनी | 05:15 | | डिंगवाही, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, ओहन, सतना एवं मैहर |
| 01814 | कटनी | 07:00 | बाँदा | 14:50 | | |
| 09015 | कटनी | 05:40 | मानिकपुर | 12:15 | 12, 13, 14, 15, 28, 29, 30 जनवरी 2025, 02, 03, 04, 11, 12, 13, 25, 26 एवं 27 फरवरी 2025 | पतवारा, झुकेही, पकरिया रोड, अम्दरा, भदनपुर, मैहर, उंचेहरा, लगरगवां, सतना, सगमा, जैतवार, खुटहा, चितहरा, मझगवां, टिकरिया, मारकुंडी, बारामाफी एवं बांसपहाड़ |
| 09016 | मानिकपुर | 12:45 | कटनी | 20:50 | | |
| 08248 | रीवा | 06:45 | मानिकपुर | 10:15 | | तुर्की रोड, बघई रोड, हिनौतारामबन, कैमा, जैतवार एवं मझगवां |
| 08247 | मानिकपुर | 11:15 | रीवा | 14:30 | | |

नोट:- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 46/25(A)

## स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स के 200 जवान संभालेंगे मोर्चा

प्रयागराज। एनएसजी, एटीएस, पैरामिलिट्री के साथ ही अब स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स को भी मेले में तैनात करने का निर्णय लिया गया है। मेले में फोर्स के 200 जवान तैनात किए जाएंगे। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, व्यक्तियों, धर्मस्थलों की सुरक्षा के लिए यह बल विशेष रूप से बनाया गया है। वर्तमान में प्रदेश में एयरपोर्ट, अदालतों, मेट्रो रेल की सुरक्षा का जिम्मा इसी के पास है। एसएसएफ की प्रदेश में कुल छह बटालियन हैं जिनमें से तीसरी बटालियन धूमनगंज स्थित चार वाहिनी पीएसी छावनी में कैंप कर रही है। खासतौर से सुरक्षा के लिए ही बनाई गई इस फोर्स को अब महाकुंभ मेले की सुरक्षा के लिए भी तैनात करने का निर्णय लिया गया है। एसएसएफ के 200 जवान मेले में तैनात किए जाएंगे। नागवासुकि मंदिर के पास टीम कैंप करेगी। एसएसएफ के जवान आपात स्थितियों में महाकुंभ में मोर्चा संभालेंगे। माना यह भी जा रहा है कि मेला क्षेत्र स्थित महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा की कमान भी एसएसएफ के जवानों को दी जा सकती है। यह भी संभव है कि अखाड़ा क्षेत्र में भी सुरक्षा तंत्र को पुख्ता करने के लिए एसएसएफ के जवानों को तैनात किया जा सकता है। एसएसएफ के जवानों को अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया गया है। ये कमांडो ट्रेनिंग भी पूरी कर चुके हैं। इस फोर्स में आने वाले जवानों को नौ महीने का प्रशिक्षण दिया गया है जिनमें से तीन महीने विशेष प्रशिक्षण के हैं। विशेष प्रशिक्षण में उन्हें कमांडो ट्रेनिंग के साथ ही बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल (बीडीडीएस), स्नाइपर, एंटी सबाटोज चेक का भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। एसएसएफ के पास मौजूदा समय में प्रदेश के महत्वपूर्ण व संवेदनशील स्थलों, प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का जिम्मा है। इनमें से तीन एयरपोर्ट हैं जिनमें लखनऊ, गोरखपुर व प्रयागराज एयरपोर्ट शामिल हैं। इसके अलावा कानपुर कोर्ट व कानपुर व लखनऊ मेट्रो की सुरक्षा भी एसएसएफ के ही हवाले है।

## अशोक गुप्ता को स्टार अश्फ द ईयर सम्मान

प्रयागराज। संजीवनी वेलफेयर सोसाइटी और एस डब्लू एस आर्ट्स की तरफ से बुधवार को सिविल लाइंस में अभिनेता अशोक कुमार गुप्ता को द इमर्जिंग स्टार ऑफ द ईयर सम्मान से

सम्मानित किया गया। साथ ही विशिष्ट अतिथि अन्नू विश्वकर्मा, साकिब सिद्दीकी, श्रवण शुक्ल, सागर वर्मा, अजय मिश्र और अभिनेता नवीन मोहंती को सम्मानित किया गया। डॉ. राहुल शुक्ल, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, मिथलेश विश्वकर्मा, रचना सोनकर, श्रेया मेहता, तान्या सिंह, रीमा शुक्ला, आशु पांडेय, कान्ति प्रभा शुक्ला, संध्या कनौजिया, तनुज शर्मा मौजूद रहे।

## नशा मुक्ति के खिलाफ दस रथों से अभियान

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान ब्रह्माकुमारी की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान मेला क्षेत्र में शुरू किया गया है। मनोरमा ने बताया कि इस अभियान को गति देने और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से रूबरू कराने के लिए देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। उसी को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र में दस रथ लाए गए हैं। इसके जरिए 11 जनवरी से लेकर दो मार्च तक प्रत्येक सेक्टर में जाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। जिसका शुभारंभ केंद्रीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार गजेंद्र सिंह शेखावत ने आठ जनवरी को ब्रह्माकुमारी के शिविर में किया था।

## युवती की फर्जी आईडी बनाकर पोस्ट की अश्लील फोटो

प्रयागराज। एक युवती के नाम पर फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो पोस्ट करने का मामला सामने आया। एक शातिर युवक ने साजिश के तहत सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर युवती को बदनाम करने की कोशिश की। युवती को जब इसकी जानकारी हुई, तो उसे युवक को ऐसा करने से मना किया। इस पर आरोपी युवक रुपये की मांग करने लगा। आरोपी की हरकत से तंग आकर युवती ने धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो पोस्ट करने का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

## आकाशीय बिजली वज्रपात से बचाव तथा प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ ।

प्रतापगढ़सक्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी प्रतापगढ़ मे 7 जनवरी से 9 जनवरी 2025 तीन दिवसीय आपदा आकाशीय

वज्रपात से बचाव के प्रशिक्षण का शुभारंभ संस्थान की उपनिदेशक मंजू वर्मा जी ने दीप प्रज्वलित करके किया सइस अवसर पर उनके साथ सत्र प्रभारी प्रवीण शुक्ला तथा प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी प्रेम कमार की भी उपस्थिति रही और विभिन्न विभागों से खण्ड स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग जिनमे प्रमुख रूप से पंचायती राज, ग्राम्य विकास, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग कृषि विभाग तथा स्वस्थ्य विभाग और पशु पालन विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया । इस प्रशिक्षण के प्रशिक्षक रत्नेश शर्मा ने आकाशीय बिजली गिरने या वज्रपात आपदा होने पर क्या करे ? क्या ना करे इस पर विस्तार से चर्चा करते हुए राहत व बचाव के विषय में भी बात की। जिला चिकित्सालय से आये डा. चंद्रचूड़ जी ने प्राथमिक चिकित्सा और सी. पी. आर पर व्यवहारिक ज्ञान दिया और प्रैक्टिक्ल भी कराया । तथा एस.आई. आर. डी.से आये वी के सिंह जी ने आपदा विषय पर बात करते हुए बताया की आकाशीय बिजली वज्रपात आपदा के समय दामिनी एप सभी लोग अपने मोबाईल मे रखे । उपनिदेशक मंजू वर्मा जी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र देकर तथा फीड बैक लेकर विदा किया सभी प्रतिभागियो मे इस प्रशिक्षण को लेकर आपस मे बहुत उत्साह दिखास

# जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

## शिकायतकर्ताओं की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये-जिलाधिकारी



प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता पंचम लाल निवासी नरायनपुर दुल्लीचन्द्र का पुरवा ने शिकायत किया कि गाटा संख्या 540 प्रार्थी की भूमिधरी भूमि है इस भूमि में प्रार्थी के नये व पुराने वृक्ष बांसकोठी आदि स्थित है जिसके सम्बन्ध में न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन चल रहा है, इस मुकदमें में हल्का लेखपाल विवेक तिवारी व ग्राम प्रधान मक्खनलाल साहू को पक्षकार मुकदमा बनाया गया है किन्तु इसके बाद भी दोनो लोग मिल करके अधिकारी कर्मचारी को गुमराह करके न्यायालय के स्थगन आदेश का उल्लंघन करते हुये वादग्रस्त भूमि में निर्माण कार्य कर रहे है उसमें स्थित वृक्षादि, बांसकोठी काट रहे है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी लालगंज व एसएचओ लालगंज को निर्देशित किया है कि न्यायालय के स्थगनादेश का अनुपालन कराये। शिकायतकर्ता राम मनोहर निवासी ग्राम चन्दोका (लोहारन का पुरवा) ने शिकायत किया कि गांव के ग्राम प्रधान पति प्रदीप सिंह द्वारा दबंगई के बल पर हमारी सारी जमीन को जेसीबी से समतल करा के हमारे चारो तरफ से रास्त बन्द कर दिया है और जमीन को कब्जा करके दूसरो को दे दिया है, प्रार्थी को डरा धमका करके यहां से भगाना चाहता है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी एवं एसओ कोहड़ौर को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें। इसी प्रकार जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व व अन्य शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

## जलवायु व ऊर्जा संकट पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

लालगंज, प्रतापगढ़। जलवायु संकट और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर लोकप्रिय जनहित सेवा संस्थान एवं पानी संस्थान अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में गुरूवार को अमावां में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए प्रधान हरकेश कुमार वर्मा ने कहा कि देश में गंभीर होते जलवायु संकट तथा स्वच्छ ऊर्जा की



समस्या से उबरना जरूरी हो गया है। जलवायु संकट से उबरने के लिए पर्यावरण संरक्षण प्रदूषण आदि पर सजग रहना होगा। वहीं सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे संयन्त्रों को स्थापित कर ऊर्जा के संकट को दूर किया जा सकता है। लोकप्रिय जनहित सेवा संस्थान के निदेशक निरंजन प्रकाश तिवारी ने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में मनुष्य बडे पैमाने पर पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहा है। उन्होनें जलवायु व ऊर्जा की समस्या पर जागरूक न होने पर भयावह खतरे के प्रति आगाह किया। पानी संस्थान के बैजनाथ, पंचायत सचिव विपिन सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर मीना, सुनीता, सरिता, अखिलेश आदि मौजूद रहे।

## तमंचा व रिवाल्वर के साथ दो बाल अपचारी धराये

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर पुलिस ने अवैध तमंचा व रिवाल्वर के साथ दो बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। एसओ मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रशिक्षु विनय प्रताप सिंह पुलिस फोर्स के साथ गुरूवार सुबह चेकिंग अभियान में निकले थे। इस दौरान नौबस्ता मार्ग के पास से संदिग्ध दशा में दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया। एसओ ने बताया कि दोनों बाल अपचारियों के पास से एक अवैध देशी रिवाल्वर तथा चार तमंचा व कारतूस की बरामदगी की गयी है। दोनों बाल अपचारियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट व विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज है। पूछतांछ में दोनों के अवैध तमंचे के कारोबार में संलिप्तता की बात भी प्रकाश में आयी है। कार्रवाई के लिए दोनो बाल अपचारियों को न्यायालय भेज दिया गया है।

## विश्वनाथ में श्याम महिला मंडली द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में भक्तों की भीड़ उमड़ी

### भजनों द्वारा कलाकार ने समां बांधा

विश्वनाथ, असम । विश्वनाथ जिले के पाभोई रोड में स्थित सार्वजनिक धर्मशाला प्रांगण में सोमवार से आयोजित चौथे दिन आज भी श्रीमद् भागवत कथा में भक्तों की भीड़ उमड़ती दिखाई पड़ी ।इस सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन विश्वनाथ चारिआलि के श्याम महिला मंडली के नेतृत्व में हो रहा है। श्याम महिला मंडली द्वारा कथावाचक के रूप में आमंत्रित बीकानेर से श्रीकांत जी व्यास ने अपने सुमधुर स्वर और भजनों से सभी को प्रभावित कर रहे हैं। कथावाचक श्रीकांत जी व्यास ने श्रोताओं को श्रीमद्भागवत का सार समझाते हुए कहते हैं कि कलयुग में हरि नाम लेना अपरिहार्य हैं , जिससे यम की यातनाएं भोगनी नहीं पड़ती है ।अंत में सभी ईश्वर के नाम जयध्वनि से आज का कथा समाप्त होता है। श्रीमद् भागवत कथा के श्रोता के रूम में समाज के वरिष्ठ नागरिक तथा समाजसेवक शंकर लाल पारीक, गेशर प्रसाद गुप्ता , छत्तर सिंह पंवार, प्रभुनाथ सिंह , नागरमल पारीक आदि मौजूद थे ।श्याम महिला मंडली के प्रायः 40 सदस्या के विशेष सहयोग व पहल से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के रजनी जाजू,किरण भरतीया ,शालू जोशी, रेखा जोशी प्रमुख पद पर हैंद्य ।उल्लेखनीय है कि यह 6 दिसंबर से आरंभ 13 दिसंबर को 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत पाठ का पूर्णाहुति होगी।

## सीएमपी में पुस्तक मेला का शुभारम्भ

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में महाविद्यालय के हीरक जयंती के शुभ अवसर पर केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा पुस्तक मेला का शुभारम्भ मंगलवार को हुआद्य यह पुस्तक मेला सात जनवरी से दस जनवरी तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक महाविद्यालय के प्यारेलाल प्रेक्षागृह में आयोजित होगाद्य इस कार्यक्रम में 10 से अधिक काउन्टर से श्री ट्रेडर्स, वाणी, राजकमल, राका, आलिया, कंसोर्टियम इत्यादि द्वारा सभी बड़े प्रकाशकों यथा स्प्रिंगर, टाटा मैकग्रा, वाणी प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, सेज, न्यू एज इंटरनेशन, प्रगति प्रकाशन, रजत प्रकाशन इत्यादि की पुस्तकों को छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के अवलोकनार्थ तथा क्रय हेतु उपलब्ध कराया जा रहा है। पुस्तक मेला का उदघाटन मुख्य अतिथि प्रो. नीता सिन्हा, उप-प्राचार्य, सीएमपी डिग्री कॉलेज द्वारा पारम्परिक विधि से फीता काटकर किया गयाद्य इस अवसर पर कार्यक्रम की सह-संयोजिका प्रो. सरोज सिंह ने बताया कि पुस्तक मेला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए पुस्तकों से जोड़ना हैद्य पुस्तक मेला में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की पुस्तकों का अवलोकन करने का अवसर प्राप्त होने से पुस्तकों को पढ़नें में रूचि पैदा होती हैद्य कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ पुनीत कुमार सिंह ने कियाद्य इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक गण मौजूद थे जिनमें मुख्यतः प्रो आभा त्रिपाठी, प्रो सत्यम्वदा सिंह, डॉ विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, प्रो आभा सिंह, डॉ रंजीत सिंह, डॉ. नीरज कुमार सिंह, प्रो संगीता,डॉ प्रिया सोनी खरे, डॉ अरुण वर्मा, डॉ रोहित कुमार एवं डॉ अतुल सिंह भारद्वाज रहेद्य

## महावन रमण रेती पहुचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, की पूजा अर्चना

मथुरा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने परिवार के साथ बुधवार की शाम छह बजकर चालीस मिनट पर उदासीन श्रीगुरुकार्ष्णि रमणरेती आश्रम पहुंचे जहां उन्होंने करीब आधा घंटे आश्रम में विश्राम किया। इसके बाद पुलिस - प्रशासन के बड़े काफिला के साथ ब्रह्मांड घाट पहुंचे जहां यमुना नदी के तट पर परिवार के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद पुनः रमणरेती आश्रम में पहुंचकर कार्ष्णि गुरु शरणानन्द से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त करके ठाकुर रमण बिहारी के दर्जन किए। मीडिया से वार्ता करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मथुरा भगवान कृष्ण की जन्म स्थली है कई कारणों से मथुरा की अलग पहचान है गुरु शरणानन्द महाराज के आश्रम में आकर सपरिवार यमुना नदी



की पूजा अर्चना की है सनातन संस्कृति की धारा में भगवान श्री राम,भगवान श्री कृष्ण ऐसे अदभुत चमत्कारी समाज में वंदनीय देवता हैं जिनके कारण ये हर युग,हर काल,हर परिस्थिति में देश का विश्वास इनके साथ रहता है इनकी शिक्षाएं आज भी उपयोगी हैं हमने अपनी शिक्षा नीति में भगवान राम कृष्ण की सनातनी संस्कृति की कई धाराओं का समाविष्ट किया है देव दर्शन का आनंद पूस माह में है मकर संक्रांति का पर्व आने वाला है इससे पूर्व संध्या पर वह भगवान श्री कृष्ण का वंदन करने और गुरुशरणानन्द महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। रमण रेती आश्रम में मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैदी के सतर्क रहा। रमणरेती आश्रम में जगह जगह पुलिस प्रशासन के लोग मौजूद रहे। डी आई जी शैलेश कुमार पांडे,एस पी देहात त्रिगुण विशेन,सी ओ धर्मेंद्र चौहान ने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था परखी वहीं एसडीएम आदेश कुमार,नायब तहसील दार प्रद्युम्न त्रिपाठी और साविका शर्मा राजस्व टीम के साथ मौजूद रहे।


### कार्यालय ग्राम पंचायत ..नींबी.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो /15वाँ वित्त/ राज्यवित्त/टेंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 09-01-2025

### अल्पकालीन निविदा सूचना

15वाँ वित्त / राज्यवित्त / योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 18-01-2025 को अपरान्ह.. 01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदाये आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह.. 03..बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 10-01-2025 से 18-01-2025 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है।

| क्रं० सं० | कार्य का नाम | सामग्री का विवरण | मात्रा | प्राकलन की धनराशि लाख रु० में | प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में | निविदा मूल्य रु० में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01. | ग्राम पंचायत नींबी मे ननकी के घर के पास रिबोर कार्य | प्राकलन के अनुसार | प्राकलन के अनुसार | 1.16 लाख | 2% | 500 |
| 02. | ग्राम पंचायत नींबी मे अशोक के घर के पास रिबोर कार्य | प्राकलन के अनुसार | प्राकलन के अनुसार | 1,14,998 रुपए | 2% | 500 |
| 03. | ग्राम पंचायत नींबी मे रामनरेश के घर से पप्पू के घर तक इंटरलाकिंग निर्माण कार्य | प्राकलन के अनुसार | प्राकलन के अनुसार | 1,67,351 रुपए | 2% | 500 |

निविदा शर्ते-

नोट- निविदा से समबन्धित शर्ते ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है
समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी
सचिव नींबी

ग्राम पंचायत
प्रधान नींबी


## अज्ञात पिकप चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। मामले मे पुलिस ने अज्ञात पिकप चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के शिवलाल सिंह का पुरवा सराय नरायन सिंह निवासी महेश सरोज पुत्र रामलखन सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि चौबीस दिसंबर को दोपहर करीब साढे तीन बजे उसका भाई गुडडू लालगंज बाजार से सामान खरीदकर घर लौट रहा था। शम्भू का पुरवा असरही के पास अज्ञात पिकप वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल पीडित के भाई का लखनऊ में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान छः जनवरी को गुडडू की मौत हो गयी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

## नगर पंचायत व पुलिस ने हाईवे किनारे हुए अतिक्रमण को हटवाया, हडकंप अतिक्रमण हटवाते नगर पंचायतकर्मी व पुलिस

लालगंज, प्रतापगढ़। हाइवे किनारे बने अतिक्रमण की समस्या से निजात को लेकर गुरूवार को पुलिस ने नगर पंचायतकर्मियों



के साथ अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान व्यापारियों में हडकंप का माहौल बना दिखा। वाराणसी लखनऊ राजमार्ग पर स्थित नगर पंचायत लालगंज का मुख्य बाजार इलाका दिन भर अतिक्रमण व जाम की समस्या से जूझता नजर आता है। नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी अभय रंजन व कोतवाल नीरज यादव की संयुक्त अगुवाई में अभियान चलाकर कस्बे मे हाईवे किनारे पटरियों पर बने अतिक्रमण को हटवाया गया। वहीं हाइवे किनारे सड़क पर बेतरतीव खडेद्य दोपहिया व चारपहिया वाहनो को लेकर भी पुलिस सख्त दिखी। इंदिरा चौक से लेकर संगम चौराहे तक चले अतिक्रमण अभियान को लेकर व्यापारियों मे हडकंप भी मचा दिखा। ईओ अभय रंजन ने बताया कि महाकुंभ को लेकर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। दोबारा अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों पर कडी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गयी है। इस दौरान दरोगा दीपक यादव, अनिकेत दुबे, विकास तिवारी, रोहित मिश्र आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

## रोमांचक रहा किक्रेट सेमीफाइनल, आयुष इलेवन व जैनपुर इलेवन बनी विजेता

लालगंज, प्रतापगढ़। अझारा में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेण्ट का सेमी फाइनल मुकाबला रोमांच से भरा रहा। पहले सेमी फाइनल मुकाबले में निर्धारित दस ओवरो में आयुष इलेवन पूरे वंशी की टीम ने पांच विकेट खोकर एक सौ बारह रनों का स्कोर खड़ा किया।



जबाब में हण्डौर इलेवन की टीम एक सौ दो रन ही हासिल कर सकी। आयुष इलेवन की टीम को विजेता घोषित किया गया। वहीं दूसरा सेमीफाइनल जैनपुर इलेवन व अझारा इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें जैनपुर की टीम ने आठ विकेट खोकर सतासी रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रतिद्वंदी अझारा इलेवन की टीम अठहत्तर रन ही बना सकी। जैनपुर की टीम को विजेता घोषित किया गया। अम्पायर की भूमिका गिरिजाकांत द्विवेदी व धीरू सरोज ने निभायी। इस मौके पर अजय मिश्र आशीष, विद्याशंकर मिश्र, राजू पाण्डेय, नितिन, प्रभाकर मिश्र, अंजनी मिश्र, ललित पाठक, प्रियम मिश्र आदि रहे।

## समस्याओं को लेकर कामकाज से विरत रहे अधिवक्ता, अधिकारियों से निस्तारण की उठाई मांग

लालगंज, प्रतापगढ़। अधिवक्ताओं की समस्याओं के निस्तारण में प्रशासनिक शिथिलता को लेकर गुरूवार को भी यहां अधिवक्ताओं ने तहसील तथा दीवानी अदालत में न्यायिक कामकाज का बहिष्कार जारी रखा। विभिन्न मुददो को लेकर सीओ कार्यालय में दोपहर संयुक्त अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधिमण्डल की एसडीएम तथा सीओ के साथ संयुक्त वार्ता हुई। वार्ता के दौरान संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह ने अधिकारियों से उदयपुर थाना क्षेत्र के अधिवक्ता रामछबीले यादव के ऊपर प्राणघातक हमले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई मे शिथिलता को लेकर नाराजगी जतायी। अधिवक्ताओ ने साथी पर जानलेवा हमले के आरोपियो की गिरफ्तारी शीघ्र सुनिश्चित कराने की भी मांग रखी। वही जमीनी विवाद के निस्तारण में भी प्रशासनिक टीम का गठन कर समाधान कराए जाने को कहा। अधिवक्ता अंकुर त्रिपाठी के भी प्रकरण में वार्ता के दौरान शीघ्र कार्रवाई की मांग उठायी गयी। एसडीएम नैंनसी सिंह तथा सीओ रामसूरत सोनकर ने अधिवक्ताओं से जुडे प्रकरण मे निस्तारण के बाबत उच्चाधिकारियों को आख्या भेजे जाने का भरोसा दिलाया है। वार्ता के दौरान महामंत्री सूर्यकांत निराला, पूर्व अध्यक्ष राममोहन सिंह, अनिल त्रिपाठी महेश, देवी प्रसाद मिश्र, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, संतोष पाण्डेय, शिवरंजन यादव, दीपक पाण्डेय मौजूद रहे।

– हम भी किसी की मांग का सिंदूर हो गए
हम भी किसी की मांग का सिंदूर हो गए
बिंदिया की चमक चेहरे का भी नूर हो गए।
कल तलक जो था आज मैं वो रह नहीं सका
अपने ही कितने रिश्तों से हम दूर हो गए।
हम भी किसी की मांग का सिंदूर हो गए।
कल तलक मेरी मां ही मेरी सांझ – सुबह थी
कल तलक मेरी खुशियों की वो असली वजह थी।
पर हाय! कि मां से ही हम दूर हो गए
दूर नहीं शायद मजबूर हो गए।
हम भी किसी की मांग का सिंदूर हो गए।
कल तलक पिताजी मेरे वृक्ष घने थे
उनकी छांव में हम पले – बढ़े थे।
पर हाय! कि वो छांव अब राश ना आए
पर्वत से भी ऊंचे थे वो अब धूल हो गए।
हम भी किसी की मांग का सिंदूर हो गए।
खेला था जिनके साथ वो मेरे बहन – भाई थे
सच कहूं तो अब तक वो मेरे सांई थे।
पर हाय कि अब उनसे भी बनती नहीं मेरी
मेरे हलक में चुभने वाले वो शूल हो गए।
हम भी किसी की मांग का सिंदूर हो गए
बिंदिया की चमक चेहरे का भी नूर हो गए।

प्रभंजन त्रिपाठी
सिकंदरा प्रयागराज

# सम्पादकीय.....

## आधी-अधूरी शिक्षा

विकास और प्रगति के तमाम दावों के बीच यदि देश के करीब आधे स्कूल कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा से वंचित हों, स्कूल बढ़ रहे हों और दाखिले कम हो रहे हों, साथ ही विद्यार्थियों का बीच में पढ़ाई छोड़ने का आंकड़ा बढ़ रहा हो, तो इसे एक बड़ी चुनौती माना जाना चाहिए। निस्संदेह, आर्थिक विकास हमारी प्राथमिकता होता है, लेकिन यदि बुनियादी शिक्षा तमाम विसंगतियों से जूझ रही हो तो विकास की सार्थकता पर सवाल उठेंगे। सवाल खासकर वंचित समाज के बच्चों का है, जिनका बड़ा संघर्ष जीवन–यापन की प्राथमिकताओं से जुड़ा है। स्वतंत्र भारत में शैक्षिक सुधार के जो प्रयास हुए,उनका लाभ वंचित समाज को काफी अधिक हुआ है। दरअसल, सरकारी स्कूल समाज के कमजोर वर्ग की आशा के केंद्र रहे हैं। यदि आज इन समाजों के बच्चे ही शिक्षा से दूर हो रहे हैं, तो तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए। आज भी लाखों बच्चे शिक्षा पाने से वंचित हैं। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली की रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे खासे चौंकाने वाले हैं। समीक्ष्य वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट बताती है कि इससे पहले साल के मुकाबले स्कूल में दाखिलों में 37.5 लाख की कमी आई है। जहां वर्ष 2022–23 में स्कूलों में 25.17 करोड़ विद्यार्थी दर्ज थे, वहीं 2023–24 में यह संख्या घटकर 24.80 करोड़ हो गई है। यह आंकड़ा प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूल स्तर का है। वहीं समीक्ष्य अवधि में बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। जिनमें छात्राएं, वंचित व कमजोर वर्ग के बच्चे अधिक हैं। ऐसे में मंथन की जरूरत है कि शिक्षा को बढ़ावा देने के तमाम प्रयासों, नई शिक्षा नीति लागू होने, अधिक स्कूल खुलने के बावजूद छात्रों के दाखिले में कमी क्यों आ रही है। सरकार की घोषणाओं और जमीनी हकीकत के अंतर को संबोधित करने की जरूरत है। ताकि नये दाखिलों को प्रोत्साहन मिले और छात्र भी बीच में स्कूल न छोड़ें। दरअसल, जरूरत इस बात की भी कि जहां एक ओर स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे, वहीं स्कूलों में दाखिले को लेकर छात्रों का आकर्षण भी बना रहना चाहिए। साथ ही शिक्षा को व्यावहारिक बनाने और समय के साथ कदमताल करने की जरूरत है। वहीं दूसरी शिक्षा मंत्रालय के प्लेटफॉर्म, यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन की रिपोर्ट के यह तथ्य चिंता बढ़ाने वाले हैं कि अभी तक कुल 57 फीसदी स्कूलों में ही कंप्यूटर की सुविधा मौजूद है। वहीं दूसरी ओर 53 फीसदी स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे दौर में जब ऑनलाइन पढ़ाई का खासा जोर है तो ये बच्चे भविष्य में निजी स्कूलों के छात्रों से कैसे मुकाबला कर पाएंगे? प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उनका क्या भविष्य होगा? विडंबना यह है कि वंचित समाज व कमजोर वर्ग के परिवारों में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे भी हैं, जिनके पास न तो कंप्यूटर है और न ही स्मार्ट फोन। दरअसल, उनके परिवारों के जीवन यापन का संघर्ष इतना बड़ा है कि कंप्यूटर व स्मार्ट फोन उनकी प्राथमिकता नहीं बन सकते। चिंता की बात यह है कि निम्न मध्यवर्गीय लोग तो निजी स्कूलों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं, लेकिन कमजोर वर्ग के विद्यार्थी कहां जाएंगे? दरअसल, मौजूदा दौर में सिर्फ साक्षरता से खुश नहीं हुआ जा सकता, जरूरत गुणवत्ता की शिक्षा की भी है। ताकि स्कूल से निकलकर विद्यार्थी देश–दुनिया के साथ कदमताल कर सकें। मंथन इस बात को लेकर भी होना चाहिए कि क्यों लाखों बच्चे स्कूलों की दहलीज तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। आखिर क्यों छात्र स्कूल में दाखिला लेने के बाद पढ़ाई बीच में छोड़कर जा रहे हैं? शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब सामाजिक विसंगतियां दूर होंगी। यहां सवाल स्कूलों में शिक्षकों व छात्रों के अनुपात का भी है। यह ठीक है कि स्कूलों के भवनों के स्तर में सुधार हुआ है, स्कूलों में बिजली, पानी व जेंडर अनुकूल शौचालय बने हैं। लेकिन हमारी प्राथमिकता केवल स्कूलों में संरचनात्मक विकास ही नहीं होना चाहिए, बल्कि शैक्षिक वातावरण भी बच्चों की पढ़ाई के अनुकूल होना चाहिए।

# देश-हित में उत्तरदायित्व, कर्तव्यों की अवहेलना

**संजीव ठाकुर**

*हम अपने व्यक्तिगत हित के कारण यह तथ्य विस्मित कर देते हैं कि हम एक लोकतांत्रिक राज्य के नागरिक हैं और हमें लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देना है जिससे कि राष्ट्र का विकास संभावित है।*

वर्तमान के इस दौर में जब देश में लोकतंत्र अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में है वहां समाज का हर नागरिक अपने लिए अधिक से अधिक अधिकारों की इच्छा रखता है ताकि पूरी स्वतंत्रता का उपभोग कर सके। इसी के फलस्वरूप हर रोज अधिकारों की बढ़ती मांग और कर्तव्य की अवहेलना से समाज वातावरण में असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वॉलटेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ–साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे–धीरे बढ़ जाता है हमें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का भी ज्ञान बोध होना जरूरी है। आपको ऐसा नहीं लगता है कि अधिकार तथा उत्तरदायित्व समानुपातिक है और समाज में हर व्यक्ति समुदाय के साथ संग संग चलते हैं। ऐसा कुछ है कि स्वतंत्रता और खुलेपन के संग उत्तरदायित्व जी जीवन की यात्रा में सहयात्री है। स्वतंत्रता या खुलेपन का अतिक्रमण किसी व्यक्ति के दायित्वों का हनन है हम जहां जिस ग्राम नगर अथवा देश में रहते हैं वहां पर यह सुनिश्चित है कि अधिकार एवं जिम्मेदारी हमारे साथ साथ विचरण करते दिखाई देते हैं। भारतीय संविधान में अधिकारों की मीमांसा करते हुए यह मूल रूप से माना गया है कि यहां देश में मूल अधिकारों को महत्व इसीलिए दिया जाता है की भारतीय जनमानस का बड़ा प्रतिशत अशिक्षित है अतः संविधान अशिक्षित व्यक्तियों के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता और समानता प्रदाय कर सके ताकि फिर कोई समाज या राज्य उसका हनन न कर सके, दूसरी तरफ यदि कर्तव्य की बात करें तो सदैव यह हिदायत दी जाती रही है कि भारत की जनता अधिक मात्रा में अशिक्षित हैं अतः उन्हें अपने दायित्वों का ज्ञान तथा अनुभूति नहीं होगी और दायित्व और कर्तव्यों के बीच बड़ी लक्ष्मण रेखा खिच गई है। व्यक्ति और समाज जैसे जैसे विकसित होता गया है और आधुनिकता के इस दौर में नागरिकों की अधिकारों की मांग बढ़ती जा रही है। हमें अधिकार धीरे–धीरे मिल भी रहे जिस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार की श्रृंखला में रखकर नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अब ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी निजता के अधिकार को अपने पास रखते हुए दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नुकसान ना पहुंचाएं या उसकी स्वतंत्रता पर अतिक्रमण न करें, जिससे जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध संग संग चलते रहे और सामाजिक परिवेश का कर्तव्य तथा अधिकार के बोध में सामंजस्य बना रहे। हम अपने व्यक्तिगत हित के कारण यह तथ्य विस्मित कर देते हैं कि हम एक लोकतांत्रिक राज्य के नागरिक हैं और हमें लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देना है जिससे कि राष्ट्र का विकास संभावित है। हम अपने आधुनिकता के चलते अपने दायित्व और मूल्यों के प्रति असावधान होते जा रहे हैं भारतीय समाज में बदलते समय के साथ नागरिक नैतिक मूल्यों की परवाह किए बगैर अपनी स्वच्छंदता एवं शक्ति के बल पर मनमानी तथा भ्रष्टाचार निरंकुशता को सर्वोपरि बनाने में लगे हुए है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत देश के आम नागरिकों के द्वारा राजनीतिक पार्टियों के जनप्रतिनिधियों को विधिवत चुनकर संसद तथा विधान भवन भेजती है ताकि राज्य और देश का कल्याण हो सके किंतु अपने अधिकारों के प्रति उत्साहित यह राजनेता अपने मूलभूत कर्तव्य को भूलकर जनता का शोषण करने में लीन हो गए हैं और अधिकार संपन्न होकर निरंकुशता की श्रेणी में आकर बैठ गए हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने अपने अधिकार तथा उत्तरदायित्व में तालमेल न बिठा कर शासन की व्यवस्था को बिगाड़ कर रखा है। अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने लिखा है कि जिस देश की आम जनता झोपड़पट्टी में रह रही हो उस देश के शासक प्रशासक को महलों में रहने का कोई अधिकार नहीं बनता है। यह बात उन्होंने बहुत पहले कही थी पर यह आज भी अत्यंत प्रासंगिक तथा समीचीन है। वर्तमान में देश में यह बात तो एकदम स्पष्ट है कि हमें अपने अधिकारों को तब भली–भांति ज्ञान व बोध है किंतु उत्तरदायित्व के प्रति हम जानबूझकर अनजान बने हुए हैं यह देश के विकास के लिए उचित नहीं है इससे देश के विकास में बाधा होती है। अधिकारों तथा उत्तरदायित्व के संदर्भ में कई समितियों ने बड़ी ही नकारात्मक अनुशंसा प्रस्तुत की है जिसमें इस बात का हवाला है कि राजनीति तथा प्रशासन में सब तरफ लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद फैला हुआ है क्योंकि हमारे राजनेता शासक प्रशासक अपने अधिकारों का तो समुचित प्रयोग करते हैं किंतु उत्तरदायित्व के मामले में अपने आप को अनभिज्ञ बताते हुए जनता के सामने हाथ खड़े करके निरीह बने रहते हैं। सरकारी सुविधाओं का उपयोग करना तो हमारा अधिकार है पर उसका रखरखाव और उससे साफ सुथरा रखना हमारा दायित्व भी है किंतु हम अपने दायित्व के प्रति आंखें बंद कर अधिकारों के लिए अंधी दौड़ में शामिल हो चुके हैं। एक संकट जैसे कि पर्यावरण संकट किसी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए नहीं है यह वैश्विक समस्या है और यदि हम इसके प्रति सजग नहीं हुए तो 1 दिन संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था पृथ्वी धरा नष्ट हो जाएगी और मनुष्य सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए पानी को तरसने लगेगा। यह हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम सत्य निष्ठा के साथ सदाचारी बनकर नैतिकता को अपने व्यवहार में उतार कर अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कर अपने अधिकारों के साथ मूल दायित्व को भी उतनी ही गंभीरता से उपयोग में लाएं जिससे व्यक्ति समाज और राष्ट्रहित हो सके।

# महिला सम्मान की उम्मीद और इनसे

**निर्मल रानी**

हमारे समाज में महिला हितों व उनके सम्मान की बातें यदि किसी वर्ग द्वारा सबसे अधिक की जाती हैं तो वह है देश का राजनैतिक वर्ग। इन्हीं के मुंह से समय समय पर महिला सम्मान में ऐसे ऐसे लुभावने शब्द गढ़े व निकाले जाते हैं जिन्हें सुनकर एक बार तो यही धोखा होता है कि भारतीय पुरुषों विशेषकर राजनेताओं से अधिक महिला सम्मान की चिंता तो शायद पूरी दुनिया में किसी को भी नहीं होगी।कभी कन्या पूजन,कभी देवी कभी पूज्या कभी लाडली बहना,कभी लखपति दीदी तो कभी प्यारी दीदी कभी आधी आबादी जैसे अनेक लोकलुभावन नामों से पुकारा जाता है तथा उनके हित में ऐसे ही नामों की योजनायें भी चलाई जाती हैं। परन्तु सही मायने में यह सभी राजनैतिक प्रपंच केवल महिलाओं के वोट बैंक साधने मात्र के लिए ही किये जाते हैं। इस पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं की वास्तव में क्या इज़्ज़त है इसे समझने के लिये केवल एक ही तर्क पर्याप्त है कि भारत में प्रचलित लगभग सभी गलियां महिलाओं को ही केंद्रित कर गढ़ी गयी हैं। मां बहन की गालियां तो लोग देते ही हैं परन्तु यदि सबसे हल्की गाली यानी कोई किसी को श्साला श भी कहता है तो भी वह उसकी बहन को ही गरिया रहा होता है। सदियों से ऐसे ही धारणा पाले हुये इस पुरुष प्रधान समाज से महिलाओं द्वारा मान सम्मान आदर सत्कार सुरक्षा या संरक्षण की उम्मीद करना कतई बेमानी है और यह महिलाओं द्वारा केवल अपने को धोखे में रखना है। काफी दिनों से एक प्रवृति यह भी देखी जा रही है कि पहले लोग अपनी विकृत सोच को अपने जहरीले बोल के द्वारा बाहर निकलते हैं। उसके बाद जब उन की बदकलामी के चलते उनपर दुनिया थूकने लगती है तो बड़ी ही चतुराई से यह सधे हुये शब्दों में मुआफी मांगकर श्बगुला भगत श बन जाते हैं। जैसे अभी पिछले दिनों दिल्ली भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा किया गया। रमेश बिधूड़ी 2014 व 2019 में दो बार दक्षिणी दिल्ली से सांसद रह चुके हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें लोकसभा प्रत्याशी तो नहीं बनाया था परन्तु इस बार बिधूड़ी को भाजपा ने कालकाजी विधानसभा सीट से संभवतः अपना प्रत्याशी तो बनाया है परन्तु उनकी बदजुबानी के चलते उन्हें चुनावी मैदान से हटाये जाने की खबरें सुनाई देने लगी हैं। पिछले दिनों रमेश बिधूड़ी ने अपने चुनाव क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि– श्लालू ने वादा किया था कि बिहार की सड़कों को हेमा मालिनी के गालों जैसा बना दूंगा, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाया। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, जैसे ओखला और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं, वैसे ही कालकाजी में सारी की सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा।श दूसरी सभा में विधुड़ी ने अपने विरुद्ध आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी व दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के सरनेम को लेकर इसी तरह की ओछी टिप्पणी करते हुये उनके बुजुर्ग पिता तक को अपनी घटिया टिप्पणी में शामिल कर लिया। उसके बाद बड़ी ही शातिराना अंदाज में मुआफी मांगकर मामले को रफा दफा करने की कोशिश की परन्तु तब तक उनके भीतर का विकार बाहर निकल चुका था। अपनी व अपनी पार्टी की घोर फजीहत के बाद विधुड़ी ने यह कहकर अपना मुंह छुपाने की कोशिश की कि –मेरा आशय किसी को अपमानित करने का नहीं था। परंतु फिर भी अगर किसी भी व्यक्ति को दुख हुआ है तो मैं खेद प्रकट करता हूँ। इसी भाजपा के दिल्ली के नेता प्रवेश वर्मा ने दिल्ली के पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान शाहीन बाग के आंदोलन का जिक्र करते हुये यहाँ तक कह दिया था कि दिल्ली के लोगों को सोच–समझकर फैसला लेना होगा। ये लोग आपके घरों में घुसेंगे, आपकी बहन–बेटियों को उठाएंगे, रेप करेंगे, उनको मारेंगेश। इसी तरह भाजपा के बंगलुरु से फायर ब्रांड सांसद तेजस्वी सूर्य ने 2015 में ट्वीट कर अपना अधकचरा ज्ञान सांझा करते हुये कहा था कि – 95 प्रतिशत अरब महिलाएं ऐसी हैं जिन्होंने पिछले कई वर्षों में ऑर्गजेम (कामोत्तेजना की चरम अवस्था ) का अनुभव नहीं किया है। हर मां ने बच्चे बस सेक्स की वजह से पैदा किए हैं न कि प्यार की वजह से। सूर्या की इस घटिया व निम्न स्तरीय टिप्पणी के बाद कई अरब देशों ने इस बयान पर आपत्ति जताई थी। गोया ऐसे बयानों से न केवल महिलाओं के प्रति इनकी दुर्भावना व ओछापन जाहिर होता है बल्कि यह देश की बदनामी का भी सबब बनते हैं। याद कीजिये हमारे देश में महिलाओं को नमन करने का ढोंग करने वाले ऐसे नेताओं द्वारा कौन कौन से भद्दे बोल नहीं बोले गये ?किसी नेता ने कांग्रेस की विधवा शब्द का इस्तेमाल किया किसी ने 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड कहकर महिला समाज को नीचा दिखने का प्रयास किया। कभी विधवा विलाप शब्द इस्तेमाल किये गये तो किसी ने महिलाओं को टंच माल बताया। कभी मंगलसूत्र पर प्रहार किया गया तो कभी महिलाओं को मुजरा करने से जोड़ा गया। किसी ने मंडी का भाव पूछा तो किसी ने महिलाओं के लिये परकटी शब्द का प्रयोग किया। न जाने कितने सांसद,विधायक व मंत्री,पाखंडी धर्मगुरु,उच्चाधिकारी आदि महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी हैं और रहे हैं। कोई अपनी पत्नी को त्याग कर देश की महिलाओं के कल्याण की बातें कर रहा है तो कई बिन ब्याहे नेता लोगों को घर गृहस्थी का सलीका सिखा रहे हैं। मणिपुर में देश की महिलाओं के साथ जो दुष्कृत्य वहां की शासन व्यवस्था की नाकामी के कारण लंबे समय से होते आ रहे हैं उसे लेकर पिछले दिनों 18 महीने बाद राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने ऐसी घटनाओं पर पीड़ितों से मुआफी मांग कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी। और इन सबसे शर्मनाक बात यह भी है कि महिलाओं के पक्ष विपक्ष की बातें भी अब दलीय स्तर पर होने लगी हैं। यानी मणिपुर की महिलाओं से नग्न परेड कराई जाती है तो भाजपाई महिला नेत्रियाँ मणिपुर की महिलाओं पर चिंता व्यक्त करने या उन हालत पर आक्रोशित होने के बजाये यह ढूंढने लग जाती हैं कि किस गैर भाजपा शासित राज्य में महिलाओं के साथ ज़्यादती हुई है। उस तरह के मामलों को उठा कर मणिपुर की महिलाओं के हालात का काउंटर करने की कोशिश की जाती है। ऐसे में इन अवसरवादी व सत्ता लोभी राजनीतिज्ञों से महिला सम्मान की उम्मीद रखना कितना व्यवहारिक है यह स्वयं सोचा जा सकता है।

# काश्मीर में अब होगा अमन चैन का खुशनुमा माहौल

जम्मू कश्मीर की वादीयो में अब अमन चौन लहराने लगा है। कई देश और प्रदेश यहां पर्यटन के विकास के लिए और इसके अर्थ तंत्र को मजबूत करने में भारत सरकार का साथ दे रहे हैं। कश्मीर में पर्यटन फिर से फलने फूलने लगा है शांति स्थापित होने के साथ साथ ही राष्ट्रीय त्यौहार बड़े जोर–शोर से मनाया जाने लगा है। भारत सरकार काश्मीर की शांति, सद्भावना और विकास के लिए कटिबंध है। अब जम्मू काश्मीर में शांति और सद्भावना धीरे–धीरे बहाल हो रही है और प्रदेश खुशहाली की तरफ बढ़ रहा है। इतिहासकार जम्मू कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहते आए हैंस और यह अत्यंत सही भी है की जम्मू कश्मीर की लुभावनी फिजाएं सुरम्य झील, नदियां, पहाड़ पर्यटकों को लुभाती आ रही हैंस पाक समर्थित आतंकवादी यह नहीं चाहते कि जम्मू कश्मीर में फिर शांति सद्भावना स्थापित हो और काश्मीरी ब्राह्मण वापस आकर रहने लगें। ये आतंकवादी इस मंतव्य से जाति विशेष के लोगों की हत्या कर रहे हैं कि वहां पर जातिगत वैमनस्यता भड़का कर घाटी में ज्यादा से ज्यादा अशांति का संचार हो और वह अपने मकसद पर कामयाब हो जाए। इधर एलएसी में नापाक चीन द्वारा तवांग घाटी में घुसपैठ करने की कोशिश की गई जिसका भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब देकर उन्हें वापस खदेड़ा गया। एलओसी और एलएसी पर माहौल काफी चिंतनीय है और सीमा पर स्थाई समाधान खोजने की परम आवश्यकता है। जम्मू कश्मीर में 370 धारा हटाने के बाद पाकिस्तान लगातार तिलमिलाया हुआ है, और वहां शांति,अमन फैलने से काफी बेचौन भी है। कश्मीर में चरमपंथी, कश्मीरी पंडितों की वापसी के बीच अल्पसंख्यकों का भरोसा तोड़ना चाहते हैं। कश्मीर में विगत 30 वर्षों से आतंकवादी हिंसा से 35 से 40 हजार लोगों की हत्या हो चुकी है। चरमपंथी जम्मू कश्मीर की शांति स्थापना के प्रयास को तोड़ना चाह कर, वहां अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। अत्यंत उल्लेखनीय है कि कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार का वहां पर विकास की योजनाएं लागू करने पर पूरा जोर लगा रही है। चुनाव कराने की घोषणा के बाद राजनीतिक गतिविधियां भी तीव्रता के साथ बढ़ रही हैं। भारत–पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम के बाद सीमाओं पर आए दिन होने वाली गोलीबारी तो शांत है। इसका मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि पाकिस्तान अपनी आतंकी हरकतों से बाज आ गया है। वह सीमा के पास लांच पैड

से लगातार आतंकी हमलावारों को भारत की सीमा में प्रवेश कराने की कोशिश कर रहा है। एक प्रकरण में विगत दिनों सीमा पार करते हुए 4 में से 3 आतंकियों को मार गिराया गया एवं एक आतंकी को पकड़कर हिरासत में भी लिया गया। पकड़े गए आतंकवादी के बयान के अनुसार पाकिस्तान तथा उसकी खुफिया एजेंसी आई, एस, आई की पूरी पोल खुल गई है। और पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा बेनकाब हो गया है। पाकिस्तानी आतंकवादियों का फिर से 1990 वाली स्थिति में कश्मीर को लाने का प्रयास किया जा रहा है। उस समय कश्मीरी पंडित हिंसा और दहशत से घबराकर कश्मीर छोड़ कर चले गए थे। उन्होंने अपनी संपत्ति को छोड़कर तस्वीर से पलायन किया था। अब 370 धारा हटाने के बाद केंद्र सरकार का यह प्रयास लगातार जारी है कि कश्मीरी पंडित वापस जम्मू कश्मीर में अपनी बेची हुई या छोड़ी हुई जगह पर आकर फिर से काबिज हों एवं कश्मीर में फिर से शांति बहाल का बेहतरीन माहौल तैयार हो। वहां पर पर्यटन तथा उद्योगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इन परिस्थितियों में पाकिस्तान बिल्कुल नहीं चाहेगा की जम्मू कश्मीर उनके हाथ से निकल कर पूरी तरह भारतीय सरकार की गिरफ्त में हो। पाकिस्तान का यह प्रयास है कि केंद्र शासन चीन के साथ लद्दाख तथा अरुणाचल प्रदेश की सीमा में व्यस्त होने के कारण, वह अपने आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर की सीमा में प्रवेश कराकर घाटी में आतंक का साया स्थापित कर सकता है,तो यह पाकिस्तान और आई,एस,आई को समझ लेना चाहिए कि भारत अपनी सीमा की रक्षा करने में सक्षम तो है ही साथ ही अंतरराष्ट्रीय मित्र देशों का भी उसके साथ समर्थन है। उधर पाकिस्तान की स्थिति यह है कि कुछ मुस्लिम देशों को छोड़कर पूरी मुस्लिम देशों की बिरादरी पर वह अलग–थलग पड़ गया है। उसकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और अपने मालिक चीन की आर्थिक सहायता के दम पर वह देश का खर्चा चला रहा है। अमेरिका को पिछले दो दशकों से अफगानिस्तान में अमेरिका को लगातार धोखे में रख तालिबानी आतंकवादियों की तन मन धन से सहायता कर वैश्विक अशांति को फैलाने का प्रयास कर रहा है। कश्मीर घाटी में विगत 10 दिनों में जिस तरह से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है यह स्पष्ट संकेत करते हैं कि पाकिस्तान सरकार और उसकी खुफिया एजेंसी आई,एस,आई तालिबान में आतंकवादियों की दिशा भारत के जम्मू कश्मीर की तरफ मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कश्मीर में आतंकवादी अल्प संकट हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके धार्मिक स्थलों क्षतिग्रस्त कर आस्था पर चोट करने का प्रयास कर रहे हैं। यह विदित है कि पाकिस्तान की सीमा से लगा कश्मीर सामरिक दृष्टि से भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इन हालातों को मद्दे नजर रख भारत को सजग रहकर चौकी करनी होगी आतंकी घटनाओं पर जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर सिन्हा जी ने आश्वस्त किया है कि आने वाले कुछ दिनों में इन आतंकियों का पूर्ण रूप से सफाया कर दिया जाएगा और फिर सेना तथा जम्मू कश्मीर पुलिस अमन चौन स्थापित करने का प्रयास करेगी। यह एक अच्छी खबर है कि भारत सतर्क एवं सावधान है। पिछली जुलाई तक मारे गए 136 आतंकवादियों में 15 आतंकवादी विदेशी थे। मई महीने में आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का एक दुर्दांत आतंकी जुनेद सरई श्रीनगर एनकाउंटर में मारा गया था। अब यह अत्यंत जरूरी हो गया है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को समूल नष्ट किया जाए। जम्मू कश्मीर में फिर से शांति बहाल होकर विकास की नई धारा प्रवाहीत की जानी चाहिए।

# प्रियंका गांधी को दिया इमरजेंसी देखने का आमंत्रण, इंदिरा गांधी की गरिमा पर पूरा फोकस : कंगना रनौत

ई। अभिनेत्री कंगना रनौत की आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अभिनेत्री पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। रिलीज से पहले उन्होंने न्यूज एजेंसी से बात की। इस दौरान बताया कि उन्होंने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को 'इमरजेंसी' के लिए आमंत्रण दिया है। आगामी 'इमरजेंसी' 1975 से 1977 के 21 महीने की अवधि पर आधारित है, जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आंतरिक और बाहरी खतरों का हवाला देते हुए पूरे देश में इमरजेंसी की घोषणा की थी। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी से कहा, "मैं संसद में प्रियंका गांधी से मिली थी और पहली बात जो मैंने उनसे कही, वह यह थी कि 'आपको 'इमरजेंसी' देखनी चाहिए'। इस पर उन्होंने कहा, 'हां हो सकता है। तो देखते हैं कि क्या वह फिल्म देखना चाहेंगी। मुझे लगता है कि यह एक प्रकरण और एक व्यक्तित्व का बहुत ही संवेदनशील और समझदारी भरा चित्रण है और मैंने इंदिरा गांधी को बहुत गरिमा के साथ फिल्म में चित्रित करने का बहुत ध्यान रखा है। अभिनेत्री ने कहा, "जब मैंने रिसर्च करना शुरू किया, तो मैंने पाया कि उनके निजी जीवन के बारे में जानने के लिए बहुत सी चाजें थीं। चाहे वह उनके पति, दोस्तों या विवादास्पद समीकरणों के साथ उनका रिश्ता हो। उन्होंने आगे कहा, मैंने खुद से सोचा कि हर व्यक्ति में बहुत कुछ है। जब महिलाओं की बात

> "अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी से कहा, "मैं संसद में प्रियंका गांधी से मिली थी और पहली बात जो मैंने उनसे कही, वह यह थी कि 'आपको 'इमरजेंसी' देखनी चाहिए'। इस पर उन्होंने कहा, 'हां हो सकता है। तो देखते हैं कि क्या वह फिल्म देखना चाहेंगी। मुझे लगता है कि यह एक प्रकरण और एक व्यक्तित्व का बहुत ही संवेदनशील और समझदारी भरा चित्रण है और मैंने इंदिरा गांधी को बहुत गरिमा के साथ फिल्म में चित्रित करने का बहुत ध्यान रखा है।

आती है तो उन्हें खासकर अपने आस–पास के पुरुषों के हिसाब से सीमित कर दिया जाता है और वास्तव में अधिकांश विवादास्पद कंटेंट इसी बारे में थे। लेकिन मैंने उन्हें बहुत गरिमा और संवेदनशीलता के साथ चित्रित किया है और मुझे लगता है कि सभी को यह फिल्म देखनी चाहिए। कंगना ने इंदिरा गांधी को प्रिय नेता बताते हुए कहा, आपातकाल के दौरान हुई कुछ बहुत ही अजीबो गरीब चीजों के अलावा मुझे लगता है कि उन्हें बहुत प्यार और सम्मान मिला। तीन बार प्रधानमंत्री बनना कोई मजाक नहीं है। उन्हें प्यार और सम्मान मिला।"

## 8 मासियों संग उई अम्मा पर थिरकी 19 की राशा, इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन की लाडली बेटी राशा थडानी जल्द ही बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने वाली है। राशा अजय देवगन, अमन देवगन स्टारर फिल्म आजाद में नजर आएंगी। इसका ट्रेलर भी जारी हो चुका है। मगर सबसे ज्यादा इस मूवी का जो हिस्सा चर्चा में है, वो है ऊई अम्मा गाना। इस सॉन्ग में राशा ने हर किसी को चारों खाने चित्त कर दिया है। उनके आगे बाकी स्टार किड्स अब फीके लग रहे हैं। अब राशा का एक वीडियो रवीना ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह अपनी मासियों के साथ थिरक रही हैं। वीडियो में पहले आठ महिलाएं गाने पर ठुमके लगाती रहती हैं और फिर होती है राशा की एंट्री, जिसके बाद सारी निगाहें उन पर ही अटक जाती है। रवीना ने कैप्शन में लिखा, जब मासियां आपके लिए दिल से एक्साइटेड हों और उनका प्यार–आशीर्वाद तुम्हारे साथ हो। उन्होंने राशा को टैग कर ओम का साइन और हाथ जोड़ने वाले आइकन लगाया है।

## आशिकी 3 से कटा तृप्ति डिमरी का पत्ता, पोस्टपोन हुई कार्तिक आर्यन की फिल्म

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपनी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। कार्तिक जल्द दी अनुराग बसु की फिल्म आशिकी 3 में नजर आने वाले हैं। एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी को फीमेल लीड के लिए कास्ट किया गया था।फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होनी थी लेकिन अब स्टोरी में ट्विस्ट आ गया है। आशिकी 3 से तृप्ति डिमरी का पत्ता कट गया है। जी हां, इंडस्ट्री के सूत्र का दावा है कि उन्हें निकाल दिया गया है क्योंकि स्क्रिप्ट की डिमांड के हिसाब से वो खरी नहीं उतर रही हैं। इंडस्ट्री के एक सूत्र के अनुसार–आशिकी 3 की हीरोइन बनने के लिए सबसे जरूरी है मासूमियत। और जैसा कि फिल्म के पीछे की टीम ने देखा ज्तपचजपप क्पउतप अपनी हालिया फिल्मों के साथ इस रोमांटिक फिल्म में काम करने के लिए काफी ये ज्यादा एक्सपोज हो गई हैं। सूत्र के मुताबिक, फिल्म में लीड एक्ट्रेस के किरदार से चाल–ढाल में शुद्धता (साफ–सुथरा किरदार) की मांग की गई है। श्आशिकीश एक लेजेंडरी, भावपूर्ण लव स्टोरी है और मेकर्स को तृप्ति इस मापदंड में खरी नहीं उतरती हैं। एनिमल के बाद उनके बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। इसके अलावा बॉक्स ऑफिस पर उनकी सोलो स्टैंडिंग हालिया फिल्मों के साथ मुनाफे के तौर पर साबित नहीं हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 1990 में रिलीज हुई आशिकी फिल्म के तीसरे पार्ट को कुछ समय के पोस्टपोन कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म के टाइटल को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। दूसरी तरफ डायरेक्टर अनुराग बसु एक नई रोमांटिक मूवी बना रहे हैं, जिसका नाम है– तू मेरी पूरी कहानी जिसमें वो कार्तिक आर्यन को कास्ट कर रहे हैं।

## कंगना रनौत ने अपनी फिल्म इमरजेंसी में कुछ सीन काटे जाने पर की बात

आगामी फिल्म इमरजेंसी में नजर आने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा फिल्म से कुछ अंश हटाने के आदेश पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए बताया कि एक निर्देशक के तौर पर वह मूल कथानक वाली फिल्म ही चाहती थीं। हालांकि, वह सीबीएफसी के फैसले को स्वीकार करती हैं। कंगना ने न्यूज एजेंसी से कहा कि मैं चाहती थी कि इसका पूरा संस्करण आए। लेकिन कट के साथ कोई समस्या नहीं है, क्योंकि ऐसा नहीं है कि फिल्म किसी का

मजाक उड़ाने के लिए बनाई गई है। उन्होंने इतिहास के कुछ एपिसोड को पूरी तरह से हटा दिया और यह तथ्य कि यह मेरी फिल्म को प्रभावित नहीं करता है, एक तरह से यह इस बात का प्रमाण है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने आगे कहा कि कहानी पूरी तरह से बरकरार है। फिल्म का संदेश पूरी तरह से बरकरार है, जो देशभक्ति है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसने बड़ी कहानी को प्रभावित किया है। लेकिन अगर उन्होंने इसे शूट किया है तो इसके पीछे कोई कारण रहा होगा। यह फिल्म 1970 के दशक में दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के दौर पर आधारित है। यह फिल्म भारतीय लोकतंत्र के सबसे चर्चित अध्यायों में से एक की दिलचस्प खोज पेश करने का वादा करती है। इस फिल्म को कंगना रनौत ने लिखा, निर्देशित किया और वह मुख्य भूमिका में हैं। यह 'मणिकर्णिकारू द क्वीन ऑफ झांसी' के बाद उनकी दूसरी निर्देशित फिल्म है। इस फिल्म में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक जैसे दमदार कलाकार हैं। हर अभिनेता उस दौर की बारीक राजनीतिक और व्यक्तिगत गतिशीलता को पर्दे पर लाने में अहम भूमिका निभाता है। जी स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स और रेणु पिट्टी द्वारा निर्मित इमरजेंसी का संगीत संचित बलहारा और जी.वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, जबकि संवाद और पटकथा रितेश शाह ने तैयार की है। यह फिल्म 17 जनवरी को रिलीज होगी।

## बॉलीवुड में अपनी एक अलग छाप छोड़ चुके हैं फरहान अख्तर, बिना पिता की मदद के फिल्मों में शुरु किया था सफर

फरहान अख्तर बॉलीवुड में एक फुल पैक धमाके की तरह काम करते हैं। वे एक प्रतिभाशाली अभिनेता, निर्देशक, निर्माता, लेखक और कमाल के गायक भी हैं। फरहान का फिल्मों में सफर काफी रोमांचक रहा है। बॉलीवुड में उन्होंने बहुत ही कम समय में अपनी मेहनत से उन्होने फिल्मी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। फरहान का जन्म 9 जनवरी 1974 को मुंबई में हुआ था और वे अपना 51 वां जन्मदिन मना रहे हैं। फरहान बॉलीवुड के मशहूर लेखक और कवि जावेद अख्तर के बेटे हैं, उनकी माँ का नाम हनी ईरानी है, जोकि एक बॉलीवुड अभिनेत्री है। उनकी बहन जोया अख्तर भी निर्देशक और लेखिका हैं। अभिनेता फरहान ने फिल्म इंडस्ट्री में एक कदम आगे बढ़ते हुए श्एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन हाउसश बनाया। जिसमें उनके पार्टनर रितेश सिधवानी हैं। साल 2001 में फरहान अख्तर ने श्दिल चाहता हैश बनाई। इस फिल्म का लेखन व निर्देशन फरहान ने किया। इंडस्ट्री में आते ही उन्होंने अपना लोहा मनवाया। आमिर खान, अक्षय खन्ना और सैफ अली खान जैसी नई तिकड़ी को फरहान ने अपनी फिल्म श्दिल चाहता हैश में लिया। फिल्म के कॉन्सैप्ट को खूब पसंद किया गया। नतीजा ये हुआ कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म हिट हुई और फरहान की पहली ही फिल्म ने बेस्ट फीचर फिल्म हिंदी की श्रेणी में नेशनल अवॉर्ड जीता। फिल्मों में फरहान ने अपना सफर बतौर निर्देशक 2001 में आई फिल्म दिल चाहता है से शुरू किया था। जिसकी कहानी उनके पिता जावेद अख्तर ने ही लिखी थी। जिसके बाद उन्होंने अपनी फिल्म प्रोड्यूस की, फरहान ने 1986 में आई अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म डॉन का रीमेक बनाया। यह फिल्म उस साल कि सबसे सफल फिल्म रही और आखिरकार वह 2008 में आई फिल्म रॉक ऑन से एक अभिनेता के रूप में उभर कर आए जिसमें उनकी काफी सराहना की गई थी साथ ही फिल्म में उनके द्वारा गाए गए गानों की भी तारीफ हुई। बॉलीवुड बैकग्राउंड से होने के बावजूद उन्होंने कभी किसी का सहारा नहीं लिया और अपने दम पर अपनी पहचान बनाई। फराहन को आमिर खान को रंग दे बसंती मिलने से पहले यह फिल्म ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था, जिसका अफ़सोस उन्हें आज भी है। दिल चाहता है, रॉक ऑन, जिन्दगीं ना मिलेगी दोबारा, दिल धड़कने दो, मिल्खा सिंह, कार्तिक कालिंग कार्तिक, डॉन, शादी के साइड इफेक्ट्स, तलाश, फुकरे और लक बाई चांस उनकी कुछ बेहतरीन फिल्मों में से हैं। उन्हेंने श्डॉनश फिल्म शाहरुख खान को ऑफर करते हुए साफ कह दिया था कि वह डॉन में ऋतिक रोशन को लेना चाहते थे। लेकिन इस रोल के लिए मैच्योरिटी चाहिए जिसके लिए सिर्फ आप फिट बैठते हैं। इस प्रोजेक्ट पर दोनों की सहमति बनी और जब ये फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज हुई तो इसने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ डाले। फरहान ने साल 2008 में एक नई कहानी पर काम करना शुरू किया। ये कहानी थी श्रॉक ऑनश की। अभिषेक कपूर ने श्रॉक ऑनश फिल्म को डायरेक्ट किया और पहली बार फरहान ने पर्दे पर बतौर ऐक्टर करियर की शुरुआत की। फिल्म के लिए फरहान ने करियर का दूसरा नेशनल अवॉर्ड जीता। फरहान तलाकशुदा हैं। उन्होंने साल 2017 में पत्नी अधुना भबानी से अलग होने का फैसला लिया। फरहान से 6 साल बड़ी अधुना एक हेयर स्टाइलिस्ट हैं दोनों का 3 साल तक अफेयर चला और फिर साल 2000 में इस कपल ने शादी कर ली। दोनों की शादी 16 साल चली। दोनों की दो बेटियां हैं शाक्या और अकीरा। फरहान और अधुना के तलाक की वजह ऐक्ट्रा मैरिटल अफेयर को बताया जाता है। ऐक्टर का नाम उनकी को–स्टार श्रद्धा कपूर से लेकर अदिति राव हैदरी संग भी जुड़ चुका है। वहीं अधुना को लेकर बताया जाता है कि वह अब निकोलो मोरिया को डेट कर रही हैं। निकोलो बॉलिवुड ऐक्टर डीनो मोरिया के भाई हैं।

फराहन अख्तर से जुड़े रोचक तथ्य

1 –फरहान अख्तर फिल्म शोले को 50 बार देख चुके हैं, लेकिन उन्हें यह दीवार से बेहतर नहीं लगी।

# आने वाली है साल की पहली एकादशी, इस दिन व्रत रखने से भर जाएगी सूनी गोद!

नए साल की पहली एकादशी 10 जनवरी को पड़ रही है। इस दिन पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी है, जिसे पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस दिन भगवान श्री हरि विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा–उपासना की जाती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने से दंपत्ति को संतान की प्राप्ति होती है। इस दिन व्रत और पूजा करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है, और व्रती की संतान संबंधी इच्छाएं पूरी होती हैं।

कब है साल की पहली एकादशी?

पंचाग के अनुसार पौष पुत्रदा एकादशी की तिथि 9 जनवरी 2025 को दोपहर 12.22 बजे से शुरू होकर 10 जनवरी 2025 को सुबह 10:19 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, इस व्रत को 10 जनवरी को रखा जाएगा। माना जाता है कि पौष पुत्रदा एकादशी के व्रत से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत जीवन में समृद्धि और शांति लाने वाला माना जाता है।

पौष पुत्रदा एकादशी का महत्व

ऐसा माना जाता है कि इस एकादशी का व्रत करने से निरूसंतान दंपति को संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है। जिन दंपतियों को संतान प्राप्ति में बाधा आती है, वे इस दिन पूरे विधि–विधान से व्रत और पूजा करके भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त कर सकते हैं। यह एकादशी केवल संतान प्राप्ति ही नहीं, बल्कि संतान की उन्नति और सुखद भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। माता–पिता अपने बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु, और सफलता के लिए यह व्रत रखते हैं।

पौष पुत्रदा एकादशी की पूजा विधि

प्रातः काल जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। भगवान विष्णु की पूजा का संकल्प लेकर व्रत की शुरुआत करें। घर के पूजा स्थल को साफ करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। भगवान विष्णु को पीले वस्त्र पहनाएं, चंदन, अक्षत, पुष्प, तुलसी दल, धूप–दीप, और फल अर्पित करें। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें और पुत्रदा एकादशी की कथा सुनें या पढ़ें। कथा सुनने से व्रत का महत्व और बढ़ जाता है और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

भजन और कीर्तन

दिनभर भजन, कीर्तन और भगवान का स्मरण करें। भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें, जैसे ओमः नमो भगवते वासुदेवाय। रात्रि के समय जागरण करना और भगवान विष्णु के भजन–कीर्तन करना शुभ माना जाता है। रात भर जागकर भगवान की स्तुति करें। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान–दक्षिणा दें। इसके बाद अपना व्रत खोलें। भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह व्रत न केवल संतान सुख देता है, बल्कि पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति भी कराता है।

# इम्यूनिटी से लेकर लकवा तक, बड़ी बीमारियों को दूर कर सकता है एक चम्मच शहद!

शहद एक प्राकृतिक और प्राचीन टॉनिक है, जो न केवल स्वाद में मीठा होता है, बल्कि हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में इसे कई बीमारियों के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। शहद में खास गुण होते हैं, जो शरीर को ताकत देते हैं और सर्दियों में होने वाली खांसी, जुकाम, दमा जैसे रोगों से बचाते हैं। यह शरीर में अन्य दवाइयों के प्रभाव को भी बढ़ा देता है, जिससे हम जल्दी ठीक हो सकते हैं। शहद का सेवन सेहत के लिए एक आसान और प्राकृतिक तरीका है। इसलिए, शहद का सेवन हमारे शरीर के लिए एक प्राकृतिक इलाज है, जो हमें स्वस्थ रखने के साथ–साथ हमें कई रोगों से बचाता है।

गले की खराश और खांसी–जुकाम में शहद का उपयोग

सर्दियों में खांसी और जुकाम जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं, जिनमें शहद का उपयोग बहुत फायदेमंद होता है। शहद में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश और खांसी को ठीक करने में मदद करते हैं। गले की खराश और खांसी के लिए आधा कप गर्म पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से राहत मिलती है। इसके अलावा, अदरक के रस के साथ शहद का सेवन करने से भी खांसी में आराम मिलता है। शहद को हल्दी, दालचीनी या सितोपलादि चूर्ण के साथ चाटने से गले की खराश और जुकाम में काफी राहत मिलती है।

दमा और सांस संबंधी रोगों में शहद का लाभ

सर्दियों में वातावरण में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और कोहरा बढ़ जाता है, जिससे दमा और सांस संबंधी रोगियों को कठिनाई होती है। शहद का सेवन इस समस्या में भी लाभकारी होता है। दमा और श्वास रोगों में राहत पाने के लिए शहद के साथ अदरक का रस और तुलसी के पत्तों का रस मिलाकर सेवन किया जाता है। यह मिश्रण श्वास रोगों में राहत देने के साथ–साथ दमा के रोगियों को भी फायदा पहुंचाता है। इसके अतिरिक्त, शहद में पीपली चूर्ण और काकड़ा सिंगी चूर्ण मिलाकर सेवन करने से श्वास रोगियों को राहत मिलती है।

हृदय रोगियों में शहद का उपयोग

हृदय रोगों में शहद का सेवन लाभकारी माना जाता है। हृदय रोगियों के लिए शहद और अन्य औषधियों का मिश्रण सेवन करने से लाभ होता है। शहद के साथ पान पत्र स्वरस, अदरक स्वरस, तुलसी पत्र स्वरस, और लहसुन पेस्ट मिलाकर सेवन करने से हृदय रोगों में फायदा होता है। इसके अलावा, बृहत् वातचिंता मणिरस को शहद के साथ लेने से भी हृदय रोगों में राहत मिलती है। शहद हृदय की कार्यप्रणाली को सुधारता है और रक्त संचार को बेहतर करता है।

लकवा (पक्षाघात) में शहद का उपयोग

लकवा या पक्षाघात एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो नसों और मस्तिष्क को प्रभावित करती है। शहद लकवा के इलाज में सहायक हो सकता है। दशमूल क्वाथ और शहद का मिश्रण लकवे के रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह मिश्रण वायु का शमन करता है और नसों और नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है। योगेंद्र रस की गोली शहद के साथ सेवन करने से लकवे में आराम मिलता है। शहद शरीर के तंत्रिका तंत्र को बेहतर करता है, जिससे लकवे के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

शहद के अन्य फायदे

शहद के अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं। शहद पाचन क्रिया को सुधारता है और पेट से संबंधित समस्याओं जैसे गैस, जलन और एसिडिटी को दूर करता है। इसके अलावा, शहद त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। यह त्वचा को मॉइश्चराइज करता है और झाइयों को कम करने में मदद करता है। शहद और नींबू का मिश्रण चेहरे पर लगाने से त्वचा में निखार आता है और उसे चमकदार बनाता है। शहद इम्युनिटी को भी बढ़ाता है, जिससे शरीर को सर्दी–जुकाम और फ्लू जैसी समस्याओं से बचाव मिलता है। यह शरीर को ताकत प्रदान करता है और थकान को दूर करता है।

शहद खाने का तरीका

गर्म पानी के साथ

शहद को गर्म पानी में मिलाकर सुबह खाली पेट पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह पाचन तंत्र को सुधारता है, शरीर में डिटॉक्सिफिकेशन करता है और दिनभर ऊर्जा प्रदान करता है। सुबह के समय यह शरीर में एक ताजगी और नई ऊर्जा का संचार करता है।

नींबू के साथ

शहद और नींबू का मिश्रण एक बेहतरीन उपाय है, खासकर वजन कम करने के लिए। एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच शहद और आधा नींबू का रस मिलाकर पीने से शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखने के साथ–साथ ताजगी मिलती है। यह शरीर में खून की सफाई भी करता है।

दूध के साथ

दूध में शहद मिलाकर सेवन करना बच्चों और बड़ों के लिए फायदेमंद होता है। यह शरीर को आराम देने, नींद की गुणवत्ता सुधारने और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। खासकर रात को सोने से पहले यह मिश्रण बहुत लाभकारी होता है।

अदरक के साथ

सर्दियों में शहद को अदरक के साथ मिलाकर सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। अदरक और शहद का संयोजन खांसी, जुकाम और गले की खराश को दूर करने में मदद करता है। इसके लिए एक चम्मच शहद और अदरक का रस मिलाकर चाटने से राहत मिलती है।

चाय में शहद

चाय में चीनी की जगह शहद का प्रयोग करना सेहत के लिए बेहतर होता है। यह न केवल स्वाद को बढ़ाता है बल्कि शरीर को एंटीऑक्सीडेंट्स प्रदान करता है। हर्बल चाय में शहद डालकर पीने से मानसिक तनाव कम होता है और शरीर में ताजगी बनी रहती है।

फल के साथ

फलों पर शहद डालकर सेवन करना एक स्वादिष्ट और सेहतमंद तरीका है। खासकर कटे हुए फल जैसे केला, सेब या पपीता पर शहद डालकर सेवन करने से शरीर को जरूरी पोषण मिलता है और यह पाचन में भी मदद करता है।

खाना खाने से पहले

शहद को खाना खाने से पहले चम्मच भर लेना, विशेषकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिनका पाचन कमजोर है। यह पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और भोजन के बाद अपच, गैस या कब्ज की समस्या को दूर करता है। शहद एक प्राकृतिक औषधि है, जो न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है। आयुर्वेद में शहद का उपयोग कई प्रकार के रोगों के उपचार के लिए किया जाता है, जैसे गले की खराश, खांसी, दमा, हृदय रोग, लकवा आदि। शहद का नियमित सेवन शरीर को स्वस्थ रखने के साथ–साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता भी प्रदान करता है। इसका सेवन उचित मात्रा में किया जाए तो यह स्वास्थ्य के लिए वरदान साबित हो सकता है।

# खास मौके पर पाना चाहती हैं रॉयल लुक तो पहने ये चूड़ीदार स्लीव्स वाले लॉन्ग अनारकली सूट

**खूबसूरत लुक पाने के लिए मार्केट में आपको कई तरह के आफटफिट मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आपको चूड़ीदार स्लीव्स वाले लॉन्ग अनारकली सूट ट्राई करना चाहिए।**

खूबसूरत लुक पाने के लिए मार्केट में आपको कई तरह के आफटफिट मिल जाएंगे। जिनको आप कई खास मौकों पर पहन सकती हैं। लेकिन अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आपको चूड़ीदार स्लीव्स वाले लॉन्ग अनारकली सूट ट्राई करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले अनारकली सूट दिखा रहे हैं, जिनको वियर करने पर आपको रॉयल लुक मिलेगा और आप इन सूट को कई खास मौकों पर पहन सकती हैं। आप इन अनारकली सूट में भीड़ में काफी अलग नजर आएंगी।

एम्ब्रॉयडरी वर्क अनारकली सूट

रॉयल लुक पाने के लिए आप एम्ब्रॉयडरी वर्क अनारकली सूट स्टाइल कर सकती हैं। यह सूट लॉन्ग में है और चूड़ीदार स्लीव्स में आता है। इस तरह का सूट न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। आप मार्केट से इस तरह ले सकती हैं। वहीं ऑनलाइन भी 2,000 रुपए तक आपको यह सूट मिल जाएगा। एम्ब्रॉयडरी वर्क अनारकली सूट के साथ आप जूती या मोजरी पहन सकती हैं। साथ ही मिरर वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल करें। बालों की चोटी बनाकर स्टाइल कर सकती हैं।

सिल्क अनारकली सूट

रॉयल लुक पाने के लिए सिल्क अनारकली सूट भी बेस्ट है। इस सूट को वियर कर आपके बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। यह सूट सिल्क फैब्रिक में है और डार्क में है। आप शादी या फिर रिसेप्शन में इस सूट को वियर कर सकती हैं। ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगहों पर आपको यह सूट मिल जाएगा। आप 2,000 से 4,000 रुपए तक की कीमत पर सिल्क अनारकली सूट खरीद सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ फ्लैट्स और चोकर स्टाइल वाली ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं।

लहरिया प्रिंटेड अनारकली सूट

आप चूड़ीदार स्लीव्स में इस तरह के लहरिया प्रिंट वाली अनारकली सूट भी स्टाइल कर सकती हैं। रॉयल लुक पाने के लिए यह सूट बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह सूट खूबसूरत लहरिया प्रिंट में है। इस सूट को आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से खरीद सकती हैं। आपको यह सूट 3,000 रुपए से कीमत में खरीद सकती हैं। लहरिया प्रिंट वाली अनारकली सूट के साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी और फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं। वहीं अगर आप ब्लैक कलर में कुछ पहनना चाहती हैं, तो आप लेक वर्क वाली अनारकली सूट भी वियर कर सकती हैं। अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो आपको चंदेरी डिजाइन वाला अनारकली सूट भी पहन सकती हैं। हल्दी सेरेमनी में रॉयल लुक पाने के लिए आप इस तरह का अनारकली सूट स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपका लुक रॉयल और बेहद खूबसूरत नजर आएगा।

## संक्षिप्त

### शेयर बाजार फिर फिसला; सेंसेक्स 528 अंक टूटा, निफ्टी 23550 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बजार में गुरुवार को भी लाल निशान पर क्लोजिंग हुई। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 528.28 (0.67:) अंकों की गिरावट के साथ 77,620.21 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों का एनएसई निफ्टी 162.46 (–0.69:) अंक टूटकर 23,526.50 पर पहुंच गया।

रुपया डॉलर के मुकाबले 4 पैसे बढ़कर 85.87 पर बंद हुआ

अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच गुरुवार को रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर से थोड़ा उबरकर डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की बढ़त के साथ 85.87 (अनंतिम) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली और विदेशी पूंजी के बहिर्गमन से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा, जबकि अमेरिका में व्यापक आर्थिक संभावनाओं में सुधार के कारण डॉलर मजबूत हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.94 के अपने ऐतिहासिक निम्नतम स्तर पर खुला और 85.84 के उच्चतम स्तर को छूने के बाद कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले 85.87 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 4 पैसे अधिक था। बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 17 पैसे गिरकर 85.91 के अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ था।

### एसबीआई का दावा...चालू वित्त वर्ष में 6.3% रहेगी वृद्धि दर, एनएसओ अनुमान से भी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई का दावा है कि आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024–25 में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुमान से भी कम करीब 6.3 फीसदी रह सकती है। एनएसओ ने एक दिन पहले ही 2024–25 में जीडीपी की वृद्धि दर चार साल के निचले स्तर 6.4 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है। एसबीआई ने अपनी शोध रिपोर्ट 'इकोरैप' में कहा, आरबीआई और एनएसओ के अनुमानों के

बीच का अंतर हमेशा ही 0.20–0.30 फीसदी की सीमा में रहता आया है। लिहाजा, चालू वित्त वर्ष के लिए 6.4 फीसदी का अनुमान उचित है। हालांकि, इस अवधि में वृद्धि दर नीचे की ओर झुकाव के साथ 6.3 फीसदी रह सकती है। आरबीआई ने विकास दर 6.6: रहने का अनुमान जताया है।

सरकारी खर्च में कटौती से घटेगा राजकोषीय घाटा

बजट अनुमान के अनुरूप कर प्राप्तियां बढ़ीं और सरकारी खर्च कम हुआ, तो चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.9 फीसदी रहेगा। सरकार 16.1 लाख करोड़ के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य पर कायम रहती है तो यह पांच फीसदी पर रहेगा।

सरकारी खपत व निर्यात का सकारात्मक योगदान

रिपोर्ट में कहा गया है कि जीडीपी का पहला अग्रिम अनुमान 2024–25 में समग्र मांग में सुस्ती को दर्शाता है। हालांकि, सकारात्मक योगदान देने वाले घटकों में सरकारी खपत शामिल है, जिसमें मौजूदा कीमतों के संदर्भ में 8.5 फीसदी वृद्धि हुई है। निर्यात में भी आठ फीसदी की तेजी रही है।

### आंकड़े: बिजली उत्पादन की रफ्तार कोरोना के बाद सबसे धीमी, विनिर्माण गतिविधियों में कमजोरी से पड़ा प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था में सुस्ती के चलते देश का बिजली उत्पादन 2024 में कोरोना के बाद सबसे धीमी गति से बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में बिजली उत्पादन सालाना 5.8: बढ़कर 1,824.13 अरब किलोवाट घंटे हो गया है। वर्ष की दूसरी छमाही में उत्पादन में वृद्धि औसतन 2.3 फीसदी रही, जो पहली छमाही की 9.6 फीसदी की वृद्धि का लगभग एक चौथाई है। आंकड़ों के अनुसार, बिजली उत्पादन में कमी

अर्थव्यवस्था में नरमी के अनुरूप थी, जो 30 सितंबर को समाप्त तिमाही के दौरान लगभग दो वर्षों में सबसे धीमी गति से बढ़ी। कमजोर मांग के बीच दिसंबर में विनिर्माण गतिविधि साल में सबसे कमजोर गति से बढ़ी है। हालांकि, विश्लेषकों को उम्मीद है कि विपरीत मौसम के कारण औद्योगिक गतिविधि व आवासीय बिजली के उपयोग में बढ़ोतरी से 2025 में खपत 6 से 7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। दिसंबर में पारा का स्तर गिरने और गरमी वाले उपकरणों के उपयोग में वृद्धि के साथ मांग पहले ही बढ़ गई है। बिजली की मांग में धीमी वृद्धि और उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में रिकॉर्ड 12.1 फीसदी की वृद्धि ने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक को कोयले की हिस्सेदारी में तीन साल की बढ़त हासिल करने में मदद की।

कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ेगी हिस्सेदारी

विश्लेषकों को उम्मीद है कि इस साल प्राकृतिक गैस से चलने वाली बिजली की कीमत पर कोयले और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों की हिस्सेदारी बढ़ेगी, जो पिछले साल 17.3 फीसदी बढ़ी थी। इस वर्ष नवीकरणीय क्षेत्र में भी धीमी वृद्धि देखी गई। कुल सौर उत्पादन में 18.4 फीसदी की वृद्धि हुई जो 2015 में जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बाद से सबसे कम है।

# स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम की नजरें जीत की लय कायम रखने पर

भारतीय टीम स्मृति मंधाना की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही पहली महिला द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस लय को कायम रखना चाहेगी। भारत ने वेस्टइंडीज को वनडे श्रृंखला में 3 . 0 से और टी20 में 2 . 1 से हराया। मंधाना ने दोनों प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाये जिसमें वनडे श्रृंखला में 148 और टी20 में 193 रन शामिल है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम स्मृति मंधाना की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही पहली महिला द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस लय को कायम रखना चाहेगी। भारत ने वेस्टइंडीज को वनडे श्रृंखला में 3.0 से और टी20 में 2.1 से हराया। मंधाना ने दोनों प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाये जिसमें वनडे श्रृंखला में 148 और टी20 में 193 रन शामिल है। मंधाना उसी फॉर्म को आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में जारी रखना चाहेंगी। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की गैर मौजूदगी में वह कप्तानी की भी जिम्मेदारी संभालेंगी। हरमनप्रीत और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को आराम दिया गया है। हरमनप्रीत और रेणुका की गैर मौजूदगी में हरलीन देयोल, प्रतीका रावल और जेमिमा रौड्रिग्स पर रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। देयोल ने वनडे श्रृंखला में 160 रन बनाये जबकि रावल ने 134 और जेमिमा ने 112 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में रेणुका की कमी खलेगी जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दस विकेट लिये थे। अब नयी गेंदबाज टिटास साधू और साइमा ठाकोर पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। वनडे में तीन और टी20 में 13 विकेट ले चुकी साधू पर शुरूआती विकेट लेने की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और स्विंग से प्रभावित किया है। वहीं साइमा ने अब तक आठ वनडे में सात विकेट लिये हैं। आफ स्पिनर और उपकप्तान दीप्ति शर्मा की भूमिका भी अहम होगी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 31 रन देकर छह विकेट लिये। उनका साथ देने के लिये प्रिया मिश्रा और तनुजा कंवर होंगी। हरफनमौला राघवी बिष्ट और सयाली सतघारे को भी टीम में जगह दी गई है जो इस मौके को भुनाना चाहेंगी। दूसरी ओर गैरी लुईस की कप्तानी वाली आयरलैंड टीम के लिये भारत की चुनौती कठिन होगी। आयरलैंड टीम ने अब तक 12 वनडे में एक भी बार भारत को नहीं हराया है। आखिरी बार दोनों टीमों का सामना 2023 टी20 विश्व कप में हुआ था जब भारत ने पांच रन से जीत दर्ज की थी। आयरलैंड की कप्तान गैबी ने कहा ,'' हमारी टीम ने पिछले तीन दिन में हर अभ्यास सत्र में भाग लिया है। हम पहले मैच में जीत के इरादे से उतरेंगे। हम चुनौतियों का सामना करने के लिये हमेशा तैयार हैं।'' उन्होंने कहा ,' हम पहली बार भारतीय टीम के खिलाफ खेल रहे हैं। भारतीय टीम में कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और हमारे सामने अच्छी चुनौती होगी।''

टीमें–

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान) , दीप्ति शर्मा, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, उमा छेत्री, रिचा घोष, तेजल हसंबिस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधू, साइमा ठाकोर, सयाली सतघारे।

आयरलैंड : गैबी लुईस (कप्तान), एवा केनिंग, क्रिस्टिना रीली, अलाना डालजेल, लौरा डेलानी, जॉर्जिना डेंपसे, सारा फोर्ब्स, अर्लेने केली, जोआना लोगरान, एमी मागिरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडेरगास्ट, उना रेमंड होए, फ्रेया सार्जंट, रेबेका स्टोकेल।

## मुझे लगता है कि वह अगले कप्तान होंगे, गावस्कर ने बताया टेस्ट में कौन होगा रोहित का उत्तराधिकारी

मुंबई, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह की टीम की नेतृत्व क्षमता से प्रभावित पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अनुमान लगाया कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) में शानदार प्रदर्शन करने वाला यह तेज गेंदबाज रोहित शर्मा के बाद भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करेगा। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों में 32 विकेट लिये। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। बुमराह की कप्तान में टीम ने पर्थ में खेले गये इस श्रृंखला के शुरुआती मैच में जीत दर्ज की थी।

टीम के अगले कप्तान हो सकते हैं बुमराह

गावस्कर ने कहा, वह (बुमराह) टीम का अगला कप्तान हो सकता है। वह जिम्मेदारी के साथ टीम का बढ़कर नेतृत्व करता है, उसकी छवि बहुत अच्छी है। उसमें कप्तान के गुण है और वह ऐसा व्यक्ति नहीं है तो आप पर अनावश्यक रूप से दबाव बनाएं। इस पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा, कभी–कभी आपके पास ऐसे कप्तान होते हैं जो आप पर बहुत दबाव डालते हैं। बुमराह को देखकर लगता है कि वह दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि वे वही करें जो उनका काम है। वह जिस काम के लिए राष्ट्रीय टीम में है वह काम करें लेकिन इसके लिए किसी पर दबाव नहीं डालते हैं। बुमराह ने बाकी गेंदबाजों को अच्छा करने में मदद की बुमराह पिछले कुछ वर्षों से भारतीय तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं उनके मार्गदर्शन ने मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को एक तेज गेंदबाज के रूप में विकसित होने में मदद की है। उन्होंने कहा, वह मिड–ऑफ, मिड–ऑन पर खड़े रहते है और तेज गेंदबाजों के लिए उनकी मौजूदगी फायदेमंद रहती है। वह गेंदबाजों से अपने विचार साझा करने के लिए तैयार रहते है। मुझे लगता है कि वह बिल्कुल शानदार थे और अपनी भूमिका बहुत अच्छी भूमिका निभाते हैं। अगर वह कप्तान बने तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। सिडनी की दूसरी पारी में बुमराह ने नहीं की थी गेंदबाजी सिडनी क्रिकेट मैदान पर खेले गए अंतिम टेस्ट ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के बीच में चोटिल होने से पहले बुमराह ने 13.06 औसत और 28.37 की शानदार स्ट्राइक रेट से अपने विकेट निकाले थे। इस मैच में कप्तानी कर रहे बुमराह की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 162 रन के लक्ष्य को ज्यादा परेशानी के बिना हासिल कर लिया।

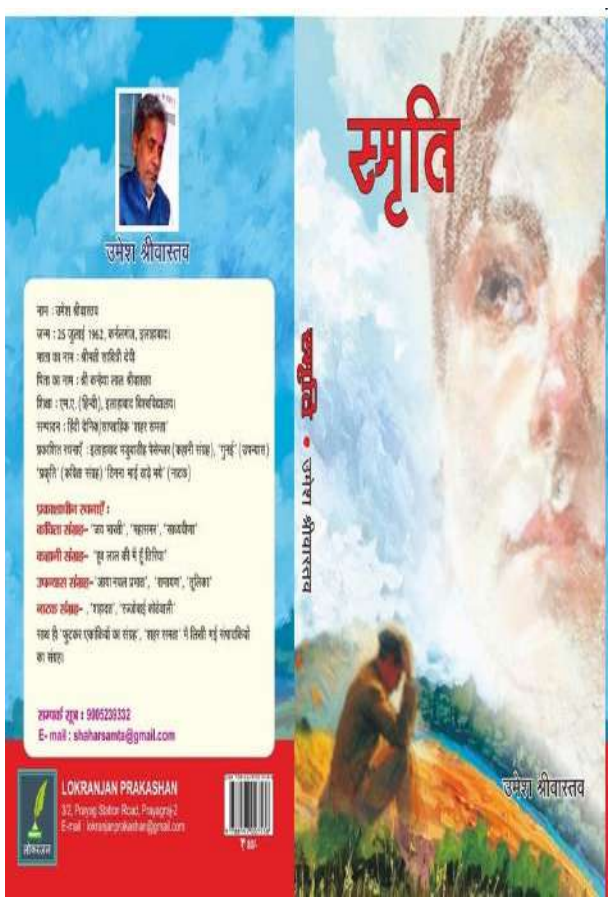


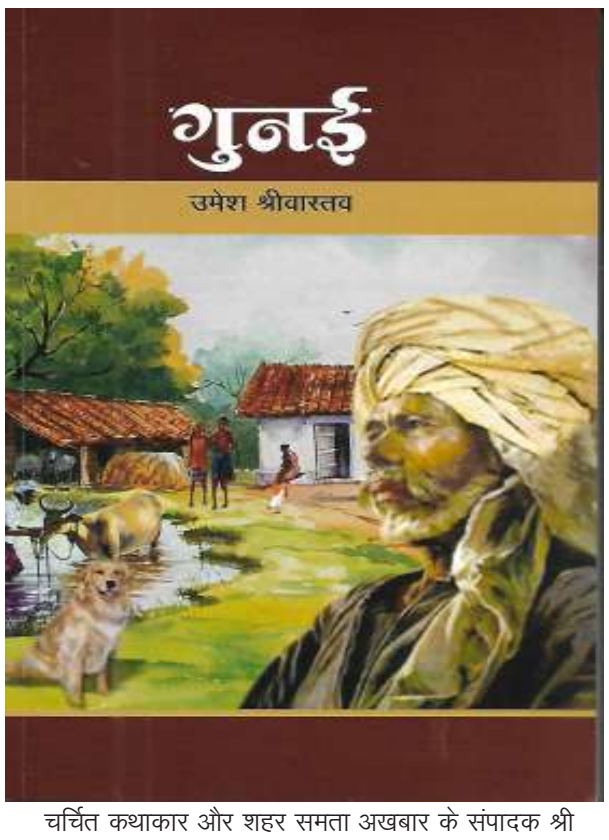


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

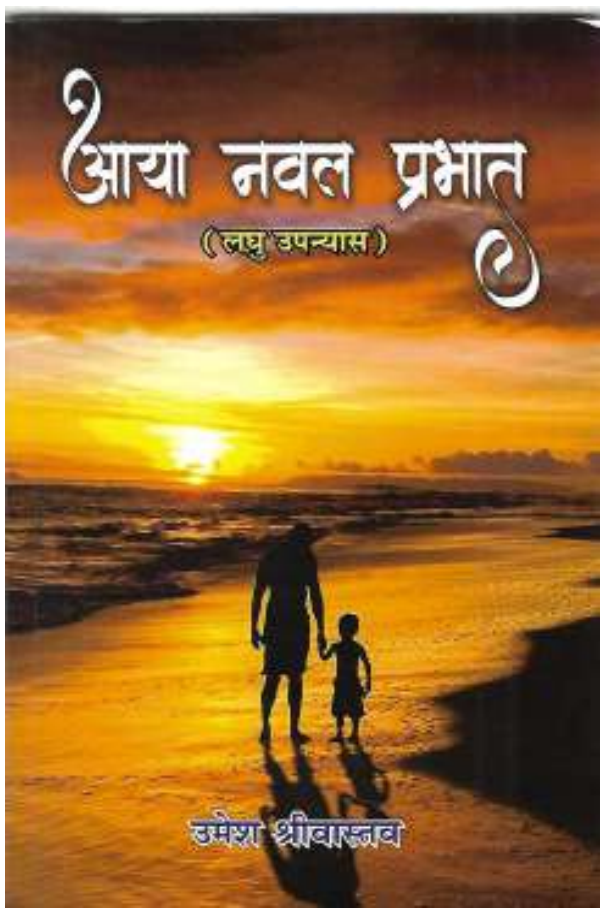


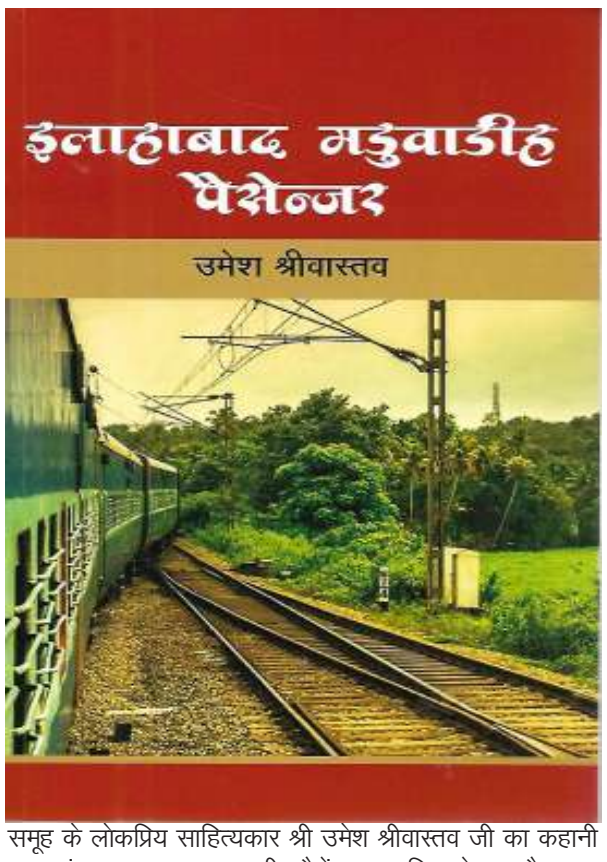


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

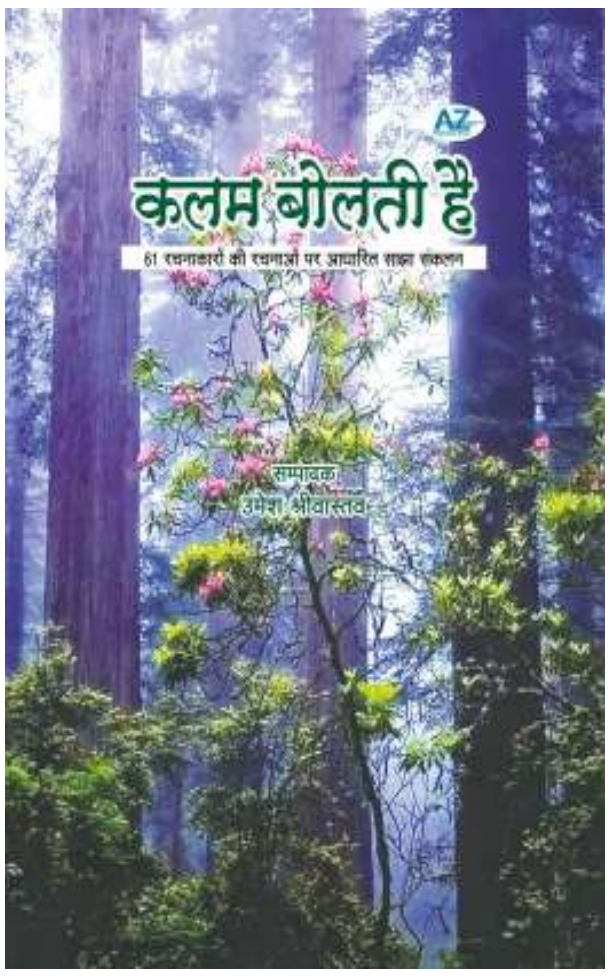


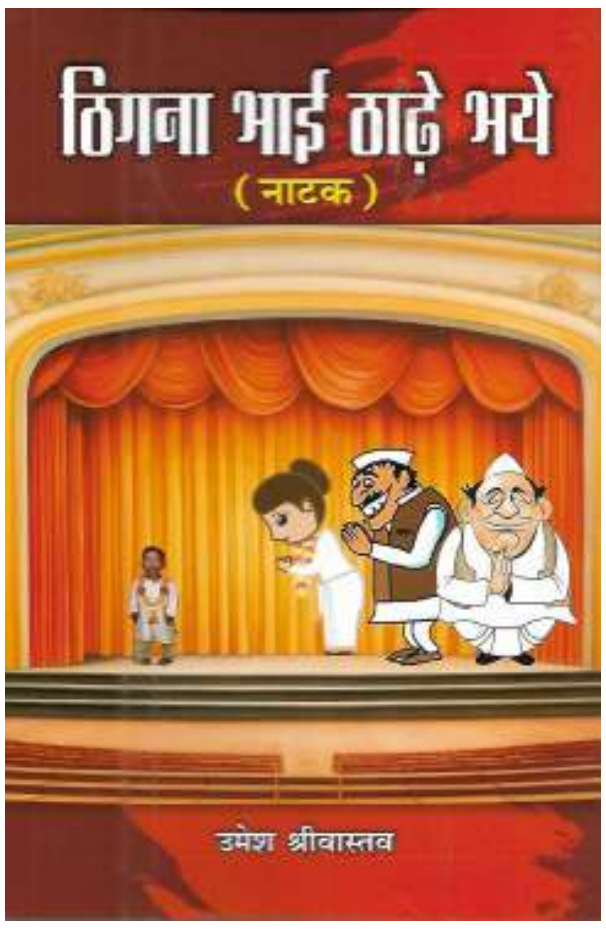


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### नए राष्ट्रपति के सामने होंगी गंभीर चुनौतियां, 12 नाकाम कोशिशों के बाद क्या इस बार लेबनान को मिलेगा नया प्रेसिडेंट

लेबनान की संसद में गुरुवार को एक बार फिर से राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान होगा। ये कदम दो साल से अधिक समय से चली आ रही रिक्तता को भर देगा। पूर्व राष्ट्रपति मिशेल औन के उत्तराधिकारी को चुनने के पिछले 12 प्रयास विफल रहे हैं। मिशेल औन का कार्यकाल अक्टूबर 2022 में समाप्त हो गया था। ऐसे संकेत हैं कि वोट से राज्य का प्रमुख सामने आ सकता है। प्रमुख उम्मीदवार लेबनानी सेना कमांडर जोसेफ औन हैं।

उन्हें व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब के पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में देखा जाता है, जिनकी सहायता लेबनान को चाहिए होगी। हिजबुल्लाह ने पहले एक अन्य उम्मीदवार, सुलेमान फ्रांगीह का समर्थन किया था। सुलेमान का सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद से करीबी संबंध थे। हालाँकि, फ्रांगीह ने घोषणा की कि वह दौड़ से हट गए हैं और एउन का समर्थन किया है, जिससे जाहिर तौर पर सेना प्रमुख के लिए रास्ता साफ हो गया है। लेबनान की विखंडित सांप्रदायिक सत्ता–साझाकरण प्रणाली राजनीतिक और प्रक्रियात्मक दोनों कारणों से गतिरोध की ओर अग्रसर है। छोटा, संकटग्रस्त भूमध्यसागरीय देश राष्ट्रपति पद के लिए कई विस्तारित रिक्तियों से गुजरा है, जिनमें से सबसे लंबा समय मई 2014 और अक्टूबर 2016 के बीच लगभग 2 1/2 वर्षों तक चला था। यह तब समाप्त हुआ जब पूर्व राष्ट्रपति मिशेल औन चुने गए। नए राष्ट्रपति के सामने पुनर्निर्माण के साथ ही इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच शांति समझौते को लागू कराने की भी चुनौती रहेगी। लेबनान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और हालात ये हैं कि लेबनान में लोगों को कुछ ही घंटे बिजली मिल रही है। लगातार लेबनान की मुद्रा नीचे जा रही है। लेबनान आईएमएफ से साल 2022 से ही बेलआउट पैकेज को लेकर बात कर रहा है। हालांकि अभी तक इस पर सहमति नहीं बन पाई है।

### ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा दिया गया

अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगामी शपथ ग्रहण समारोह के लिए रिकॉर्ड 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का चंदा दिया गया है। बड़े कारोबारियों और दानदाताओं ने समारोह के लिए बढ़–चढ़करचंदा दिया है। यह जानकारी धन जुटाए जाने के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने दी है, जो सार्वजनिक रूप से बात करने के लिए अधिकृत नहीं है। ट्रंप की शपथ ग्रहण समारोह से संबंधित समिति ने बुधवार को प्रतिक्रिया मांगे जाने पर कोई जवाब नहीं दिया। समिति ने अभी तक यह विस्तृत रूप से नहीं

बताया है कि वह चंदे की राशि को कैसे खर्च करने की योजना बना रही है। चंदे का इस्तेमाल आम तौर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रमों से जुड़े खर्चों के भुगतान के लिए किया जाता है, जैसे कि परेड आदि। चंदे के बारे में जानकारी देने वाले व्यक्ति ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद बचा हुआ पैसा भविष्य में ट्रंप राष्ट्रपति पुस्तकालय के लिए इस्तेमाल किए जाने की उम्मीद है। संघीय निर्वाचन रिकॉर्ड के अनुसार, इससे पहले 2020 में जो बाइडन के शपथ ग्रहण समारोह के लिए लगभग 6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा दिया गया था। वहीं, 2016 में ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए रिकॉर्ड 10.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर चंदा हासिल हुआ था।

### कैलिफोर्निया में जंगलों की आग के विकराल रूप धारण करने पर बाइडन ने रद्द की इटली की यात्रा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया के जंगलों में विनाशकारी आग लगने के बाद जवाबी कार्रवाई की निगरानी करने के लिए इटली और वेटिकन की यात्रा अंतिम समय पर रद्द कर दी। यह राष्ट्रपति के तौर पर बाइडन की अंतिम विदेश यात्री थी और वह दौरे पर रवाना होने ही वाले थे। बाइडन को पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर की स्मृति सभा में शामिल होने के बाद बृहस्पतिवार दोपहर पोप फ्रांसिस और इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मेटारेला व प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात के लिए तीन दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना होना था। बाइडन बुधवार को जन्मे अपने पड़पोते को देखने लॉस एंजिलिस गए थे, वहां से वाशिंगटन लौटने से पहले उन्होंने स्थानीय अग्निशमन अधिकारियों से आग से संबंधित घटना की जानकारी ली। प्रेस सचिव जीन–पियरे ने एक बयान में कहा, "लॉस एंजिल्स से आज शाम लौटने के बाद उन्होंने आग को काबू में करने के काम में लगे पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन कर्मियों से मुलाकात की। बाइडन ने आने वाले दिनों में आग से निपटने संबंधी कार्रवाई की निगरानी के लिए इटली की अपनी आगामी यात्रा रद्द करने का निर्णय लिया।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# पाक–अफगानिस्तान के बिगड़ते संबंधों के बीच तालिबान सरकार के विदेश मंत्री से दुबई में मिले भारतीय विदेश सचिव

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ भारत के संबंध लगातार बेहतर हो रहे हैं क्योंकि तालिबान ने पाकिस्तान के भारत विरोधी षड्यंत्रों में साथ देने की बजाय दिल्ली से अच्छे संबंध बनाने को वरीयता दी। यही कारण है कि पहले भारत के एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी ने तालिबान सरकार के विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री से मुलाकात की थी लेकिन अब भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की। यह विदेश सचिव और तालिबान के किसी वरिष्ठ मंत्री के बीच पहली सार्वजनिक बातचीत थी और इसमें अफगान पक्ष ने भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति अपनी ''संवेदनशीलता'' को रेखांकित किया। इस मुलाकात के दौरान भारत ने अफगानिस्तान को तमाम तरह की मदद देते रहने पर सहमति जताई, वहां विकास परियोजनाओं को फिर से शुरू करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही इस बैठक के दौरान भारत को अफगानिस्तान से आश्वासन मिला कि वहां की धरती से भारत विरोधी गतिविधियों की इजाजत नहीं दी जायेगी। हम आपको बता दें कि 2021 में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद से यह भारत का अब तक तालिबान के साथ उच्चतम स्तर का संपर्क था। अब तक काबुल में हुई बैठकों में संयुक्त सचिव के स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान के संबंध तेजी से बिगड़ रहे हैं। इसी सप्ताह भारत ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हवाई हमलों की निंदा करते हुए कहा था कि पड़ोसियों को दोष देना इस्लामाबाद की पुरानी आदत है। बताया जाता है कि इस बैठक का एक उद्देश्य चाबहार परियोजना के लिए उत्पन्न हो रहे सुरक्षा खतरों के मुद्दे पर चर्चा करना भी था। इस बैठक के बारे में भारत ने कहा है कि वह अफगानिस्तान में विकास परियोजनाओं में शामिल होने पर विचार करेगा और स्वास्थ्य क्षेत्र में देश को सहायता प्रदान करेगा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी की दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्तकी के साथ बातचीत के बाद भारत का यह बयान आया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, श्शविदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्तकी के साथ बैठक की।'' विदेश मंत्रालय ने कहा, ''अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता के उद्देश्य सहित व्यापार और वाणिज्यिक गतिविधियों में सहयोग के लिए चाबहार बंदरगाह के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी।'' अफगान पक्ष के अनुरोध के जवाब में भारत स्वास्थ्य क्षेत्र और शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए पहले चरण में और अधिक सहायता प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बारे में कहा, ''विदेश सचिव ने अफगान लोगों के साथ भारत की ऐतिहासिक मित्रता और दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित किया।'' बयान में कहा गया, ''इस संदर्भ में उन्होंने अफगान लोगों की तत्काल विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत की तत्परता से अवगत कराया।'' बयान में कहा गया है कि भारत निकट भविष्य में मानवीय सहायता कार्यक्रम के अलावा विकास परियोजनाओं में भी शामिल होने पर विचार करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान में भारतीय मानवीय सहायता कार्यक्रमों का भी मूल्यांकन किया। बयान में कहा गया, ''अफगान मंत्री ने अफगानिस्तान के लोगों के साथ जुड़े रहने और उनका सहयोग करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।'' बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने खेल (क्रिकेट) सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा की, जिसे अफगानिस्तान की युवा पीढ़ी बहुत महत्व देती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष संपर्क में बने रहने और विभिन्न स्तर पर नियमित संपर्क जारी रखने को लेकर सहमत हुए हैं। हम आपको बता दें कि भारत पिछले कुछ वर्षों से अफगानिस्तान को मानवीय सहायता प्रदान कर रहा है। भारत ने अब तक 50,000 मीट्रिक टन गेहूं, 300 टन दवाइयां, 27 टन भूकंप राहत सहायता, 40,000 लीटर कीटनाशक, पोलियो की 10 करोड़ खुराक, कोविड टीके की 15 लाख खुराक, और 1.2 टन स्टेशनरी किट सहित कई खेप भेजी हैं।

# 1,400 लोग लगे हैं, फिर भी कैलिफोर्निया में क्यों नहीं पाया जा रहा आग पर काबू ?

## जंगल की लपटों से 21 सेलेब्स बेघर!

अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर के हॉलीवुड हिल्स क्षेत्र में भीषण आग लगने की घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक लाख से अधिक लोगों को दूसरे स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। आग मंगलवार रात हॉलीवुड बाउल के निकट और हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम से कुछ ही दूरी पर लगी। घटना के बाद ग्राउमन चाइनीज थियेटर और मैडम तुसाद संग्रहालय के आसपास की सड़कों पर वाहनों की भीड़ देखी गई और हर ओर से सायरन बजने की आवाज आ रही थी। जंगल की आग अल्टाडेना के ईटन कैन्यन तक फैल गई, और अग्निशामक अब कथित तौर पर नियंत्रण से बाहर तीन बड़ी आग को बुझाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है।

क्यों भयानक हुई आग?

कैलिफॉर्निया में कम बारिश और ज्यादा तापमान के कारण जंगल और इसके पेड़– पौधे शुष्क हैं। ऐसी स्थितियां आग भड़काने के लिए काफी हैं। दक्षिणी कैलिफॉर्निया तट से पश्चिम की ओर बह रही तेज हवाओं ने आग में घी का काम किया है। ये हवाएं 160 किमी/घंटा तक तेज हो सकती हैं। फायर डिपार्टमेंट के चीफ क्रिस्टिन क्रोले ने कहा है कि आग बुझाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है, लेकिन अभी इसमें काफी वक्त लग सकता है।

1,400 लोग बुझा रहे हैं आग

लांस ऐंजिलिस और इसके उपनगरों में लगी आग हर मिनट फुटबॉल के 5 मैदान जितनी जगह जला रही है। इसे बुझाने में फायर ब्रिगेड के 1,400 स्टाफ लगे हैं। इनमें से कई लोग घायल भी हुए हैं। यह आग उत्तरी और पश्चिमी इलाकों में फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा पहले कभी नहीं देखा।

तीन जगह लगी है आग

लॉस एंजिलिस और इसके उपनगरों के पास तीन जगह जंगलों में आग लगी है।

पहली जगह पैलिसेड का इलाका, जहां मंगलवार को शुरू में 20 एकड़ में आग लगी थी, जो अब तक 3000 एकड़ में फैल चुकी है। यहां से 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है।

दूसरी जगह ईटन जहां मंगलवार शाम को पैसाडीना की पहाड़ियों में लगी आग अब 1000 एकड़ में फैल चुकी है।

तीसरी जगह है हर्स्ट जो सैन फर्नांडो के उत्तर में स्थित है। यहां भी 500 एकड़ में जंगल दहक रहे हैं।

जिन सेलेब्स ने इस आग में अपने घर खो दिए उनके नामों की लिस्ट यहां दी गई हैरू

एडम ब्रॉडी लीटन मेस्टर
पेरिस हिल्टन
अलबामा लैंडन बार्कर
रिकी झील
जेमी ली कर्टिस
एलिजाबेथ चेम्बर्स
कैरी एल्वेस
जेम्स वुड्स
मार्क हैमिल
यूजीन लेवी
जे जे रेडिक का परिवार
सैंड्रा ली
मैंडी मूर
केट बैकइनसेल
कैरोलिन मर्फी
मौली सिम्स
स्पेंसर प्रैट और हेइडी मोंटाग
डेनिस क्रॉस्बी
जेनिफर ग्रे
अन्ना फारिस
बिली क्रिस्टल

# कार्टर को दी जाएगी एतिहासिक विदाई, जानिए क्या होगी पूर्व राष्ट्रपति को दफनाने की पूरी प्रक्रिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति रहे जिमी कार्टर को दफनाने से पहले वॉशिंगटन में सम्मानित किया जाएगा। गुरुवार को वाशिंगटन नेशनल कैथेड्रल में दफनाने की अंतिम रस्म के साथ जिमी कार्टर को सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर जॉर्जिया ले जाकर दफना दिया जाएगा। उससे पहले वॉशिंगटन में राष्ट्रपति जो बाइडन, जो साल 1976 में जिमी कार्टर के राष्ट्रपति अभियान का समर्थन करने वाले पहले सीनेटर थे, वे अपने डेमोक्रेट पार्टी के साथी जिमी कार्टर को याद करते हुए उनके बारे में अपने विचार साझा करेंगे।

सभी बड़ी हस्तियां श्रद्धांजलि कार्यक्रम में होंगी शामिल

राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ही नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप और सभी जीवित पूर्व राष्ट्रपति भी जिमी कार्टर को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमेरिका के सभी कमांडर इन चीफ भी कार्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। साथ ही राजनीतिक, व्यापार जगत की कई हस्तियां भी पूर्व राष्ट्रपति के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होंगी। गुरुवार को जिमी कार्टर के निधन के बाद छह दिनों तक चले राष्ट्रीय कार्यक्रमों का समापन हो जाएगा। इन कार्यक्रमों की शुरुआत जॉर्जिया से हुई थी और अब जॉर्जिया में ही जिमी कार्टर की पार्थिव देह को दफनाने के बाद इनका समापन हो जाएगा।

गुरुवार को छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रमों का हो जाएगा समापन

वाशिंगटन में गुरुवार की सुबह नेशनल कैथेड्रल में आयोजित कार्यक्रम के बाद कार्टर की पार्थिव देह को विशेष विमान से उनके गृहनगर जॉर्जिया ले जाया जाएगा। दोपहर में जॉर्जिया के माराना था बैपटिस्ट चर्च में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति की अंतिम यात्रा पुराने ट्रेन डिपो से गुजरते हुए पूर्व राष्ट्रपति के पारिवारिक भूखंड पर प्रथम महिला रोजलिन कार्टर के बगल में ही दफनाया जाएगा। रोजलिन कार्टर का साल 2023 में निधन हो गया था।

29 दिसंबर को हुआ था जिमी कार्टर का निधन

जिमी कार्टर का 29 दिसंबर को 100 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था। पूर्व नौसेना अधिकारी, इंजीनियर और मूंगफली किसान रहे जिमी कार्टर ने अमेरिका के राष्ट्रपति बनने तक का सफर तय किया। कार्टर 1977 से 1981 तक अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद कार्टर ने एक गैर सरकारी संगठन के रूप में कार्टर सेंटर की स्थापना की। इस संगठन ने दुनिया भर में बीमारी से लड़ने, संघर्ष में मध्यस्थता करने, चुनावों की निगरानी करने और नस्लीय और लैंगिक समानता के लिए काम किया। इसी संगठन के लिए कार्टर को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्तमान में दुनिया भर में 3,000 कर्मचारी और ठेकेदार हैं।

### इस्लामिक स्टेट से मुकाबला करने के लिए अमेरिकी सैनिकों का सीरिया में बने रहना जरूरीः ऑस्टिन

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि सीरिया के नेता बशर अल असद के सत्ता से हटने के बाद आतंकवादी संगठन 'इस्लामिक स्टेट' (आईएस) को फिर से जड़ें जमाने से रोकने के लिए अमेरिका को सीरिया में सैनिकों की तैनाती बनाए रखने की जरूरत है। ऑस्टिन ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से बातचीत में बुधवार को कहा कि अमेरिकी सेना की अब भी वहां जरूरत है, विशेष रूप से उन हिरासत केन्द्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जहां आईएस के हजारों आतंकवादी और उनके परिवार के सदस्य बंद हैं। अनुमान है कि इन केन्द्रों में आईएस के आठ से 10 हजार आतंकवादी बंद हैं और उनमें से कम से कम दो हजार को बेहद खतरनाक माना जाता है। जर्मनी के रामस्टीन एयर बेस में ऑस्टिन ने कहा कि अगर सीरिया को ऐसे ही छोड़ दिया जाता है तो ''मुझे लगता है कि आईएसआईएस के आतंकवादी फिर से सिर उठाएंगे।'' अमेरिकी रक्षा मंत्री लगभग 50 साझेदार देशों के साथ यूक्रेन के वास्ते सैन्य सहायता मुहैया कराने के संबंध में चर्चा करने के लिए रामस्टीन एयर बेस में हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आईएसआईएस पर अंकुश लगाने के लिए हमें अभी और कदम उठाने की जरूरत हैं।'' आईएस से निपटने के लिए अमेरिका के सीरिया में करीब 2,000 सैनिक मौजूद हैं।

### चीन की हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान, समुद्री रक्षा प्रणाली के जरिए दिखाई ताकत

चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार ताइवान को घेरने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में ताइपे ने गुरुवार को चीन के संभावित हमले के खिलाफ अपनी समुद्री रक्षा प्रणाली का प्रदर्शन किया। बता दें, यह ताइवान की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मुख्यभूमि से होने वाले आक्रमण को रोकना है। ताइवान की नौसेना ने काऊशुंग बंदरगाह के पास अपनी कुआंग हुआ टप् तेज आक्रमण मिसाइल नौकाएं और तुओ चियांग श्रेणी के युद्धपोत तैनात किए हैं। काऊशुंग एक बड़ा व्यापारिक केंद्र है, जिसे चीन के सैनिकों द्वारा ताइवान पर हमला करने के बाद महत्वपूर्ण आपूर्ति केंद्र माना जाता है।

क्या हैं विशेषताएं?

कुआंग हुआ टप् नौकाएं, जिनमें 19 लोग होते हैं, स्वदेशी शियॉन्ग फेंग प् एंटी–शिप मिसाइलों से लैस हैं। इनका इस्तेमाल समुद्र में आपातकाल की स्थिति में दुश्मन जहाजों को रोकने के लिए किया जाता है। ये नौकाएं ताइवान के सुरक्षा क्षेत्र में 44 किलोमीटर (24 समुद्री मील) तक आने वाले शत्रु जहाजों को रोकने में सक्षम हैं।

चीन की हरकतों का जवाब

चीन अक्सर ताइवान की सीमा में जहाजों और विमानों को भेजता है। इससे ताइवान को अपनी जेट विमानों को उड़ानें, मिसाइल सिस्टम को सक्रिय करने और युद्धपोतों को भेजने के लिए मजबूर होना पड़ता है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।